हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 171 बेमेतरा, बुधवार 11 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

बेरोजगारी दर में गिरावट, गांवों और महिलाओं ने मारी बाजी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था और जॉब मार्केट के लिए एक राहत भरी खबर है। सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में बेरोजगारी दर कम हुई है। अक्तूबर-दिसंबर 2025 की तिमाही में रोजगार के आंकड़ों ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। इनके अनुसार ग्रामीण भारत और महिला कार्यबल की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सरकार के आंकड़े बताते हैं कि श्रम बाजार अब सुधार की ओर बढ़ रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के लिए बेरोजगारी दर में पिछली तिमाही के मुकाबले कमी आई है।

देश में कुछ भ्रष्टाचारी घटे, ईमानदारों की रैंकिंग में 96 से 91वें नंबर पर

नई दिल्ली। दुनिया में भारत की छवि से जुड़ी एक अच्छी खबर सामने आई है। भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की ओर से जारी करप्शन परसेप्शंस इंडेक्स (सीपीआई) 2025 में भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है। 182 देशों की इस सूची में भारत पांच पायदान की छलांग लगाकर अब 91वें नंबर पर पहुंच गया है। हालांकि, रिपोर्ट में पत्रकारों की सुरक्षा और भ्रष्टाचार के खिलाफ रिपोर्टिंग को लेकर अब भी गंभीर चिंता जाहिर की गई।

23 को आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड को संबोधित करेंगी वित्त मंत्री

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 फरवरी 2026 को भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड को संबोधित कर सकती हैं। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान वित्त मंत्री वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पेश किए गए बजट की प्रमुख बातों को केंद्रीय बोर्ड के सदस्यों के साथ साझा करेंगी। वित्त मंत्री बताएंगीं कि कैसे बजट में विनिर्माण को बढ़ावा देने और कृषि व पर्यटन क्षेत्र को मदद पहुंचाने पर जोर दिया गया है। आरबीआई की केंद्रीय बोर्ड के सदस्यों के साथ वित्त मंत्री की यह बैठक वैश्विक चुनौतियों के बीच रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की इसी महीने हुई बैठक के बाद हो रही है।

अमेरिकी टैरिफ में कटौती और रूसी तेल पर भारत का रुख

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक संबंधों में हाल ही में एक नाटकीय मोड़ आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर लगने वाले टैरिफ (आयात शुल्क) में कटौती की घोषणा की है, लेकिन माना जा रहा है कि इसके पीछे एक बड़ी शर्त जुड़ी है- और वह शर्त है रूस से कच्चे तेल के आयात को रोकना।

मुख्यमंत्री साय के सान्निध्य में 6,412 जोड़ों का विवाह

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का हुआ शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना छत्तीसगढ़ में सामाजिक समरसता, अंत्योदय और संवेदनशील शासन की भावना को साकार करने वाली ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि एक समय गरीब परिवारों के लिए बेटी का विवाह बड़ी चिंता का विषय होता था, जिसे इस योजना ने सम्मान और भरोसे में बदल दिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में रायपुर सहित पूरे प्रदेश में कुल 6,412 जोड़े विभिन्न धार्मिक परंपराओं एवं रीति-रिवाजों के अनुसार वैवाहिक जीवन में बंधे। साइंस कॉलेज मैदान में 1,316 नवविवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष रूप से आशीर्वाद प्रदान किया, जबकि अन्य जिलों के जोड़े वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि इस अभूतपूर्व आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह आयोजन केवल विवाह समारोह नहीं, बल्कि सर्वधर्म समभाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। इस वृहद आयोजन में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध तथा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के जोड़े अपने-अपने रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह सूत्र में बंधे, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सरगुजा एवं बस्तर संभाग के आठ जिलों में इस अभियान की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ और सुपोषित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए शासन के साथ-साथ समाज की सहभागिता आवश्यक है तथा अभियान की सफलता के बाद इसे पूरे प्रदेश में विस्तारित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेशवासियों के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने दो वर्षों में ही मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा किया है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में मानक बोरा मूल्य में वृद्धि, चरण पादुका योजना का पुनः प्रारंभ, श्रीरामलला दर्शन योजना तथा भूमिहीन मजदूरों को आर्थिक सहायता जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख भी किया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में की गई थी, जिसे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत है और कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य में जनसहभागिता आवश्यक है।

कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि एक ही दिन में हजारों जोड़ों का विवाह मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और सर्वसमावेशी सोच का प्रमाण है।

ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी देश में विशेष पहचान बनाएगा छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विभाग छत्तीसगढ़ और एसटीपीआई के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता

राज्य में सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सेंटर की होगी स्थापना

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी देश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य को ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।आधुनिक अधोसंरचना, प्रभावी ई-गवर्नेंस प्रणाली और निवेश-अनुकूल नीतियों के चलते छत्तीसगढ़ आज आईटी, आईटीईएस एवं इमरजिंग टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों के लिए एक भरोसेमंद और आकर्षक गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन एवं सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के मध्य हुए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) उपरांत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि युवाओं में उद्यमिता विकसित करने और उन्हें आईटी एवं आईटीईएस जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय अवसर राज्य के भीतर ही उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल की गई है। इस एमओयू के तहत राज्य में सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वन एवं औषधीय उत्पाद आधारित मेडटेक, स्मार्ट सिटी समाधान तथा स्मार्ट कृषि जैसे चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचार और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, एक अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी, जो प्रति वर्ष लगभग 30 से 40 हार्डवेयर स्टार्ट-अप और एमएसएमई को प्रोडक्ट डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण की सुविधाएं प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस पहल से प्रदेश के युवाओं को राज्य के भीतर ही इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, फंडिंग और आधुनिक प्रयोगशालाओं की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे उच्च कौशल वाले युवाओं का बड़े शहरों की ओर पलायन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

अब एआई-जनित सामग्री की देनी होगी स्पष्ट जानकारी

सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए जारी किया आदेश

नईदिल्ली ▸▸ एजेंसी

केंद्र सरकार ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि ये प्लेटफॉर्म एआई-जनित सामग्री पर स्पष्ट रूप से लेबल (वाटरमार्क) लगाएं। ऐसी सामग्री में पहचान के लिए संकेत जरूर होने चाहिए। सरकार ने कहा कि एक बार एआई लेबल या मेटा डाटा लगाने के बाद उसे हटाया या दबाया नहीं जा सकता।

सरकार ने कहा कि अब मानव निर्मित या कृत्रिम रूप से बनाई गई जानकारी को स्पष्ट रूप से पहचान योग्य लेबल (वाटरमार्क) के साथ दिखाना अनिवार्य होगा। इसमें ऑडियो, वीडियो, फोटो या ग्राफिक सहित किसी भी डिजिटल सामग्री को शामिल किया गया है, जिसे कंप्यूटर या किसी संसाधन से बनाया गया, संशोधित किया गया या बदला गया हो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी यूजर ऐसी सामग्री का गलत इस्तेमाल न करे।

अगर कोई यूजर गैरकानूनी, अश्लील, धोखाधड़ी या बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री बनाए या साझा करे, तो प्लेटफॉर्म्स उसे रोकने के लिए स्वचालित तकनीक का इस्तेमाल करेंगे।

'बस्तर पंडुम' बस्तर की बदली पहचान का सशक्त प्रतीक : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जनजातीय परंपराओं के संरक्षण के साथ बस्तर को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है सरकार: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर ▸▸ पहुना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 से 9 फरवरी के बीच छत्तीसगढ़ में आयोजित बस्तर पंडुम को बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत का भव्य उत्सव बताते हुए इससे जुड़े सभी सहभागियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि एक समय बस्तर का नाम आते ही माओवाद, हिंसा और विकास में पिछड़ेपन की छवि उभरती थी, लेकिन आज परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब बस्तर शांति, विकास और स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कामना की कि बस्तर का आने वाला समय शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव से परिपूर्ण हो। प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर मार्गदर्शन से बस्तर आज सांस्कृतिक गौरव और समावेशी विकास के सशक्त प्रतीक के रूप में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। 'बस्तर पंडुम' जैसे आयोजन जनजातीय परंपराओं, लोक-संस्कृति और विरासत को सहेजने के साथ-साथ शांति, विश्वास और समावेशी प्रगति का प्रभावी संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से बस्तर के जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और आजीविका के अवसरों के विस्तार से क्षेत्र में भरोसे और सहभागिता का नया वातावरण बना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में जनजातीय समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के साथ-साथ बस्तर को शांति, समृद्धि और विकास की नई ऊँचाइयों तक निरंतर अग्रसर करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

संसद बजट सत्र 2026

आओ कुछ जमीनी बातें करें: अखिलेश

नईदिल्ली ▸▸ एजेंसी

संसद के दोनों सदनों में मंगलवार को यूनियन बजट 2026-27 पर आम चर्चा हो रही है. विपक्षी सांसदों के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित की गई. जब से यह सत्र शुरू हुआ है सरकार और विपक्ष के बीच अमेरिका-भारत ट्रेड डील, एसआईआर जैसे मुद्दों को लेकर गतिरोध जारी है. इस बीच बीजेपी की महिला सांसदों ने मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला का साथ दिया. राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान चेयर पर कागज फेंकने और सदन के वेल में जाने की कथित दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए विपक्षी सांसदों की आलोचना की. बीजेपी सांसदों ने स्पीकर को चिट्ठी लिखकर आरोप लगाया कि विपक्ष की महिला सांसदों ने 4 फरवरी को प्रधानमंत्री की सीट को घेर लिया और बाद में गुस्से में स्पीकर के चैंबर के पास पहुंच गईं. उन्होंने स्पीकर से कहा कि वे इस कथित घटना में शामिल सांसदों के खिलाफ सबसे सख्त एक्शन लें। यह कांग्रेस की महिला सांसदों के ओम बिरला को लिखे गए पत्र के जवाब में आया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सत्तारूढ़ पार्टी ने उन्हें उनके खिलाफ झूठे, बेबुनियाद और बदनाम करने वाले दावे करने के लिए मजबूर किया।

लोकसभा में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अखिलेश जी मुझसे पहले बोल रहे थे. वह कह रहे थे कि वह देखना चाहते हैं कि इस बजट में यूपी को क्या मिला. वित्त मंत्री 85 मिनट तक बोलीं. बंगाल का एक बार भी जिक्र नहीं हुआ. यहां तक कि इसी बजट में जिस दानकुनी से फ्रेट कॉरिडोर का जिक्र है, उसकी घोषणा भी असल में 2009 में उस समय की रेल मंत्री ममता बनर्जी ने की थी, जो अब पश्चिम बंगाल की CM हैं।

दिल्ली में मुकदमों की राजनीति का अंत, भाजपा सरकार ने वापस लिए आप शासन के सभी केस

नईदिल्ली ▸▸ एजेंसी

दिल्ली में सत्ता परिवर्तन के साथ ही प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारे में बड़े बदलावों का दौर शुरू हो गया है. दिल्ली की भाजपा सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए पिछली आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार, उपराज्यपाल और नौकरशाहों के खिलाफ दायर किए गए सभी मुकदमों को वापस ले लिया है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इन कानूनी लड़ाइयों को 'राजनीति से प्रेरित' और 'संसाधनों की बर्बादी' करार दिया है.

दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि पिछली सरकार द्वारा दायर किए गए ये मामले न केवल राजनीतिक द्वेष से प्रेरित थे, बल्कि इनसे प्रशासनिक कामकाज में भी भारी बाधा उत्पन्न हो रही थी. मंत्री कपिल मिश्रा के नेतृत्व में कानून विभाग द्वारा तैयार प्रस्ताव में कहा गया है कि इस तरह की मुकदमेबाजी से नौकरशाही के भीतर 'कठिनाई' और 'प्रशासनिक गतिरोध' पैदा होता है, जिसका सीधा असर दिल्ली की नीति निर्माण और विकास परियोजनाओं पर पड़ रहा था.सरकार का मानना है कि इन मुकदमों के कारण अधिकारियों में भय का माहौल था और वे स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में हिचकिचा रहे थे. अब इन मामलों को वापस लेकर सरकार प्रशासन और उपराज्यपाल के बीच एक सामंजस्यपूर्ण माहौल बनाना चाहती है।

फेसबुक पर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ झूठे-एडिटेड पोस्ट

नगर निगम सभापति ने रक्क को दी शिकायत; एपस्टीन कनेक्शन

कोरबा ▸▸ पहुना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरित्र पर लांछन लगाने और समाज में विद्वेष फैलाने के उद्देश्य से कई अज्ञात आईडी से झूठे पोस्ट किए जा रहे हैं। इस संबंध में नगर निगम कोरबा की सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने पुलिस अधीक्षक कोरबा को लिखित शिकायत सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। झूठे पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को बच्चों के यौन शोषण के आरोपी जेफरी एपस्टीन का सहयोगी बताया जा रहा है। शिकायत के अनुसार, राव साहब नामक आईडी से प्रधानमंत्री के संपादित फोटो को एप्सटीन की फाइल में मोदी के नाम के साथ पोस्ट किया गया है।मलिक साहब नामक आईडी से एक संपादित फोटो के साथ अभद्र टिप्पणी की गई है। इसके अतिरिक्त, समाजवादी विचारधारा नामक फेसबुक आईडी से बिना किसी तथ्य के प्रधानमंत्री पर किसी मानसी सोनी के शारीरिक शोषण करने और फिर उसे गायब करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने अपनी शिकायत में कहा है कि नरेंद्र मोदी देश के सम्मानित प्रधानमंत्री हैं। बिना किसी साक्ष्य के उनके चरित्र पर गंभीर आरोप लगाने से नागरिकों में प्रधानमंत्री के प्रति असम्मान, नाराजगी और घृणा उत्पन्न हो रही है।

जिसके लिए वे फेसबुक सीईओ को जिम्मेदार ठहराती हैं। यह कृत्य कोरबा शहर और राज्य के सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक माहौल को खराब करने का एक प्रयास है।

9 मार्च को चर्चा की संभावना

अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला होने तक सदन में नहीं आएंगे स्पीकर ओम बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैतिक आधार पर फैसला किया है कि वह अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे तक सदन में नहीं जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनका यह कदम कांग्रेस की ओर से आज उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद आया। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के सचिव को निर्देश दिया कि वह उनके खिलाफ अविश्वास नोटिस की समीक्षा करें और उपयुक्त कार्रवाई करें। वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि (लोकसभा में विपक्ष के नेता) राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। पात्रा ने कांग्रेस पर तमिलनाडु के जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना का आरोप भी लगाया।

अविश्वास प्रस्ताव नोटिस पर राहुल गांधी ने ही नहीं किए हस्ताक्षर

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने लोकसभा सचिवालय को अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। यह नोटिस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद में न बोलने देने के आरोप में लाया जा रहा है। हालांकि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ही इस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई ने कांग्रेस सूत्रों के हवाले से बताया कि स्पीकर को पद से हटाने के नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष का हस्ताक्षर करना संसदीय लोकतंत्र में सही नहीं है।

गौरव गोगोई ने क्या कहा?

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि आज दोपहर 1-14 बजे उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। सूत्रों के अनुसार, कुल 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के सांसदों ने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट तौर पर पक्षपाती व्यवहार किया और विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी।

अविश्वास प्रस्ताव में चार घटनाओं का है जिक्र

विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव में चार घटनाओं का जिक्र किया गया है। इनमें एक में कहा गया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया, जबकि उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में चीन के खिलाफ 2020 के घटनाक्रम को उठाया था।

परिवार के साथ पीएम मोदी से मिले सचिन तेंदुलकर

बेटे अर्जुन की शादी में आने का दिया न्योता

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

सचिन के साथ इस दौरान पत्नी अंजलि, बेटे अर्जुन, बेटी सारा और अर्जुन की मंगेतर सानिया भी मौजूद थीं। मालूम हो कि अर्जुन और सानिया की शादी को लेकर कई दिनों से अटकलें चल रही थीं, लेकिन अब खुद सचिन ने इस खबर पर मुहर लगा दी है। सचिन ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। सचिन ने लिखा, हमें अर्जुन और सानिया के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को आमंत्रित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस युवा जोड़े को आपके आशीर्वाद और विचारशील सलाह के लिए मोदी जी को धन्यवाद। सचिन ने इससे पहले कांग्रेस पार्टी के संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की थी। सचिन पत्नी अंजलि के साथ सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर मिले थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन और सानिया की शादी के कार्यक्रम तीन मार्च से शुरू होगी और मुख्य सेरेमनी पांच मार्च को होगी। अर्जुन की सगाई सानिया चंदोक के साथ हुई है। सानिया मुंबई के प्रसिद्ध व्यवसायी रवि घई की पोती हैं। घई परिवार हॉस्पिटेलिटी और खाद्य क्षेत्र में सुप्रसिद्ध है, जिसके पास इंटरकॉन्टिनेंटल होटल और आइसक्रीम ब्रांड ब्रुकलिन क्रीमरी का स्वामित्व है। अर्जुन और सानिया की सगाई एक निजी कार्यक्रम में हुई जिसमें करीबी दोस्त और दोनों परिवार के सदस्य शामिल हुए थे। 25 वर्षीय अर्जुन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं, जो घरेलू क्रिकेट में गोवा का प्रतिनिधित्व करते हैं और आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं।

केंद्रीय बजट 2026 किसान, युवा, महिला और व्यापारियों के लिए लाभकारी : नीलकंठ टेकाम

सुकमा/मूक पत्रिका

केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 किसान की आय बढ़ाने वाला, भारत को विकसित भारत की दिशा में ले जाने वाला, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाला और देश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने वाला बजट है। यह बजट व्यापारियों को टैक्स के झंझटों से राहत देने के साथ-साथ महिलाओं को समान अवसर देने वाला है।

श्री टेकाम ने यह बातें अटल सदन, भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सुकमा में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहीं।

युवाओं के लिए बड़े प्रावधान

उन्होंने बताया कि बजट में युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए पांच नई यूनिवर्सिटी टाउनशिप खोलने का प्रावधान किया गया है, जिससे उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर- बजट में ग्रामीण महिलाओं के लिए साश्व मार्ट की घोषणा की गई है। साथ ही लखपति दीदी योजना के विस्तार का ऐलान कर महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाया गया है।

किसानों और पशुपालकों को राहत

किसानों के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं।

पशुपालकों को लोन सब्सिडी

मछली पालन हेतु 500 बड़े तालाबों का निर्माण

कॉफी किसानों के लिए विशेष योजना

अखरोट और बादाम किसानों के लिए विशेष पैकेज

छोटे किसानों की आमदनी बढ़ाने और उन्हें उद्यमी बनाने के लिए विशेष प्रावधान

व्यापारियों और एमएसएमई को लाभ

व्यापारियों को राहत देते हुए बजट में-

एमएसएमई और छोटे उद्योगों के लिए 10,000 करोड़ रुपये की एसएमई विकास निधि

विदेश में 1 करोड़ रुपये तक की संपत्ति पर पेनल्टी समाप्त

मिनिमम अल्टरनेटिव टैक्स (म्ह्ञ) घटाकर 14त्न

तेंदूपत्ता पर टीसीएस घटाकर 2त्न, जिससे छत्तीसगढ़ के संग्राहकों को सीधा लाभ मिलेगा

स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक घोषणाएं

स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए-

सस्ती दवाइयों की उपलब्धता और भारत को बायो-फार्मा हब बनाने हेतु 40,000 करोड़ रुपये का प्रावधान

देश में 5 बड़े मेडिकल हब

बुजुर्गों की सहायता के लिए 1.5 लाख केयर टेकर

शुगर और कैंसर की दवाइयां होंगी सस्ती

3 नए आयुर्वेदिक अस्पताल

गंभीर बीमारियों की दवाओं पर आयात शुल्क पूरी तरह समाप्त

इंफ्रास्ट्रक्चर और परिवहन को मजबूती

बजट में-

देश में 20 नए जलमार्ग

7 नए रेलवे कॉरिडोर

3 केमिकल पार्क

पर्यटन को बढ़ावा देने 10,000 नए टूरिस्ट गाइड

4,000 नई इलेक्ट्रिक बसें चलाने का ऐलान

टैक्स रिफॉर्म्स

विदेश यात्रा पर टीसीएस 5त्न से घटाकर 2त्न

एनआरआई को प्रॉपर्टी बेचने पर ञ्जह्र नंबर की अनिवार्यता खत्म

आयकर रिटर्न भरने की तिथि बढ़ाई गई

कांग्रेस और मोदी सरकार के बजट की तुलना

नीलकंठ टेकाम ने कहा कि मोदी सरकार में सभी क्षेत्रों का बजट ऐतिहासिक रूप से बढ़ा है-

शिक्षा बजटः 39,000 करोड़ से बढ़कर 1.39 लाख करोड़+

रक्षा बजटः 2.5 लाख करोड़ से बढ़कर 7.5 लाख करोड़+

स्वास्थ्य बजटः 38,000 करोड़ से बढ़कर 1 लाख करोड़+

किसान बजटः 29,000 करोड़ से बढ़कर 1.62 लाख करोड़+

रेलवे बजटः 29,000 करोड़ से बढ़कर 2.81 लाख करोड़+

सड़क परिवहन बजटः 31,000 करोड़ से बढ़कर लगभग 3 लाख करोड़

पूंजीगत व्ययः 2 लाख करोड़ से बढ़कर 12.2 लाख करोड़

राज्यों को सहायताः 5 लाख करोड़ से बढ़कर 26.61 लाख करोड़

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित भारत की मजबूत नींव रखने वाला बजट है, जिससे हर वर्ग को लाभ मिलेगा।

खाद संकट और बिजली की कमी पर भड़के किसान, सरिया में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़// मंगलवार को सरिया के गांधी चौक में किसान संघ के बैनर तले किसानों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण सुबह से ही चौक पर जुटने लगे थे। हाथों में तख्तियां लेकर किसानों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए और अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की।

किसानों की मुख्य मांग रबी फसल के लिए पर्याप्त रासायनिक खाद उपलब्ध कराने की रही। उनका कहना है कि धान, मूंगफली, मूंग सहित अन्य फसलों के लिए डीएपी, यूरिया, पोटाश और सुपर फास्फेट की जरूरत होती है, लेकिन सहकारी समितियों में खाद नहीं मिल रही है। कई किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। इससे बोनी और फसल की तैयारी प्रभावित हो रही है।

धरना स्थल पर किसान संघ के मोहन पटेल ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बार-बार आवेदन देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया। खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने में प्रशासन नाकाम रहा है, जिसका सीधा नुकसान किसानों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं होने से रबी फसल की सिंचाई प्रभावित हो रही है।

किसानों ने आवारा पशुओं की समस्या भी उठाई। उनका कहना है कि खेतों में घुसकर पशु फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन उनकी व्यवस्था के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

किसान संघ ने बताया कि पूर्व में दिए गए आवेदन में साफ चेतावनी दी गई थी कि यदि 9 फरवरी तक खाद की व्यवस्था नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा। समय सीमा बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस रहने पर किसानों ने धरना देने का निर्णय लिया।

धरना की सूचना पर तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों से चर्चा की और समस्याओं को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने तथा जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा और धरना समाप्त किया।

किसानों ने स्पष्ट कहा है कि यदि जल्द खाद, बिजली और आवारा पशुओं की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आगे और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

जुनेद पारेख को छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण महासंघ के जिला उपाध्यक्ष बनने पर विष्णु कोसरिया ने दी बधाई

मूक पत्रिका/केशकाल कोंडागांव छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण महासंघ के जिला इकाई का चुनाव बीते दिनों कोंडागांव के वन काष्ठगार के नीलामी सभा भवन में रखा गया था ।जिसमें जिले एवं प्रदेश भर के से पत्रकार शामिल हुए सभी ने सर्वसम्मति से केशकाल के पत्रकार जुनेद पारेख को छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण महासंघ का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया जुनैद पारेख को मिली नई जिम्मेदारी पर ऑल इंडिया संपादक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष श्री विष्णु कोसरिया ने बधाई प्रेषित की है एवं जुनैद पारेख के उज्जवल भविष्य की कामना की है। विष्णु को सरिया ने कहा की जुनैद पारेख लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रहे हैं एवं जनहित के मुद्दों को बेबाकी एवं निडरता के साथ शासन प्रशासन के सामने रखते रहे हैं आगे भी उनसे इसी प्रकार इसी पत्रकारिता की उम्मीद हम रखते हैं।

शिवसेना ने की कन्या छात्रावास में स्वीकृत सेटअप अनुसार भृत्यों के तत्काल नियुक्ति की मांग

मूक पत्रिका/कांकेर :- कांकेर शिवसेना जिला ईकाई कांकेर द्वारा कोड़ेकुर्से कन्या आश्रम में भृत्य की नियुक्ति की मांग को लेकर कांकेर कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने बताया कि आदिवासी विकास शाखा द्वारा संचालित दुर्गकोंदल ब्लॉक के कन्या आश्रम कोड़ेकुर्से में 100 छात्राओं के लिए मात्र एक भृत्य होने की वजह से बहुत सारा कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई छात्रावास में भृत्य न होने से छात्रों को स्वयं सफाई और अन्य कार्यों के लिए मजबूर होना पड़ता है। जो उनकी पढ़ाई और सुरक्षा के लिए चिंताजनक है। छात्रावास आश्रम में 24 घंटे कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएं। ताकि अनहोनी को रोका जा सके। जिला स्तर पर खाली पड़े भृत्यों के पदों पर तत्काल स्थाई या संविदा आधार पर नियुक्ति हो। शिक्षा व सुरक्षा व्यवस्था के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता सर्वोपरि है। विभागीय नियमों सेटअप के अनुसार हर छात्रावास/आश्रम में आवश्यक भृत्य उपलब्ध करवाएं जाएं। शिवसेना ब्लॉक अध्यक्ष सुकचंद मंडावी ने कहा जिले के आश्रम / छात्रावास में भृत्य के अभाव में छात्रावासों की सुरक्षा, परिसर की सफाई और व्यवस्था बनाएं रखने में गंभीर समस्या आ रही है। यहां अत्यंत आवश्यक है कि छात्रांओं के लिए सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित किया जाएं। शिवसेना शासन प्रशासन से मांग करती है कि छात्रावास / आश्रमों के लिए निर्धारित पदों के अनुरूप कर्मचारियों की नियुक्ति तत्काल किया जाएं। नहीं तो शिवसेना द्वारा सहायक आयुक्त कार्यालय की घेराव किया जाएगा। जिसका संपूर्ण जिम्मेदार

शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने वाले में

प्रमुख रूप से चैनुराम शिवाना प्रमोद कोरेटी ,अस्सी मंडावी ,कमलेश राणा ,हीरा मानकर ,सुरेश चूरेंद्र ,भोला पाल प्रणेवेश विश्वास कालू विश्वास इत्यादि शिव सैनिक उपस्थित थे।

दसवीं, बारहवीं बोर्ड परीक्षा के लिए 65 केन्द्राध्यक्ष को दिया गया प्रशिक्षण

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़, 10 फरवरी 2026/ दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए जिले के 65 केंद्र के केन्द्राध्यक्ष को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कहा कि दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा में केन्द्राध्यक्ष का कार्य बहुत महत्वपूर्ण है। बोर्ड के नियमों का पालन गंभीरता से करें। इसमें व्यक्तिगत द्वेष भावना से कार्य नहीं करना चाहिए। यदि किसी रक्त संबंधी रिश्तेदार का एक ही केंद्र में परीक्षा है वो अपना केंद्र बदलने आवेदन प्रस्तुत करें और पारदर्शिता के साथ इस कार्य को पूर्ण करें। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, जिला शिक्षा अधिकारी जोइधा राम डहरिया सहित, सभी बीईओ आदि उपस्थित थे। प्रशिक्षक एस आर अजय ने सभी बिंदुओं का प्रशिक्षण दिया।

आदिवासियों के स्वाभिमान के प्रतीक बस्तर का स्वाभिमान के वीरपुत्र शहीद गुंडाधुर की 116 वी जयंती मनाई गई

मूक पत्रिका/कांकेर :-उत्तर बस्तर कांकेर में सर्व आदिवासी समाज कांकेर के द्वारा 10 फरवरी को भूमकाल विद्रोह के प्रणेता जल, जमीन, जंगल के वीरपुत्र शहीद गुंडाधुर की जंयती आज आमसभा और रैली निगलकर मनाई गई चौक चौराहे में उनकी स्मृति का पुष्प और दीप जला कर पूजन किया गया साथ ही आदिवासियो के संरक्षण के लिए शासन को ज्ञापन सौपा गया,

क्षेत्र के लोगों ने बडी संख्या में पहुंचकर महानायक वीर गुंडाधुर को श्रहंदाजलि दी गई आयोजको का कहना है कि इस तरह के आयोजन से समाज के इतिहास और वीर गुंडाधुर के संघर्ष को नई पिढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है उपस्थित अधिकारी- सुमेर सिंह नाग, राजेश भास्कर, कन्हैया उसेंडी, ललित नरेटी, पवन पद्माकर, अंकित पोटाई, लोकेश कुंजाम, मृदुला भास्कर, दिलीप पद्माकर, अनमोल मंडावी एवं सर्व आदिवासी समाज गोंडवाना समाज आदिवासी युवा छात्र संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थें ।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 251 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने दी आशीर्वाद

मूक पत्रिका/कांकेर :- मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत बीते मंगलवार को जिले के शहीद शिवकुमार मंडावी खेल मैदान, गोविंदपुर में सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन किया गया, जिसमें 251 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक कांकेर आशाराम नेताम, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी सहित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने नव-दम्पतियों को उनके सुखमय जीवन के लिए आशीर्वाद दिया।

सामूहिक कन्या विवाह को संबोधित करते हुए विधायक नेताम ने कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक सशक्त सहारा है, जो सामाजिक समरसता एवं बेटियों के सम्मान को बढ़ावा देती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह बहुत अच्छी योजना है, समूह में मिलकर बाजे-गाजे के साथ खुशी भरे माहौल में विवाह सम्पन्न हो रहा है। सभी वर-वधु को सुखी जीवन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने सामूहिक कन्या विवाह में शामिल घराती-बराती का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह महती योजना है। राज्य सरकार द्वारा सामूहिक कन्या विवाह के लिए 35 हजार रूपए की मदद कन्या के उपहार सामग्री के लिए दी जाती है, जो वधु के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से जमा की जाती है। इसके अलावा 01 हजार रूपए परिवहन व्यय के लिए दिए जा रहे हैं। इस प्रकार 36 हजार रूपए की सहायता राशि सरकार द्वारा प्रदान की

जा रही है। उन्होंने नव-दम्पत्तियों को सुखी वैवाहिक जीवन अपनी शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह में 251 जोड़ों का वैदिक रीति-रिवाज के साथ विवाह संस्कार सम्पन्न कराया गया। इनमें कांकेर परियोजना के 43 वर-वधु, चारामा परियोजना के 30, नरहरपुर के 30, भानुप्रतापपुर के 30, अंतागढ़ के 38, दुर्गुकांदल के 29, कोयलीबेड़ा के 20 और पखांजूर परियोजना 31 वर-वधु शामिल हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों में ढिलाई नहीं चलेगीः कलेक्टर

समय-सीमा बैठक में योजनाओं की समीक्षा, सैचुरेशन शिविर लगाने के निर्देश

मूक पत्रिका/बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा ने साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में जिले में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ तय समय पर आम लोगों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि काम में देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने नियद नेल्लानार क्षेत्रों में सैचुरेशन शिविर आयोजित करने पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीणों को आधार, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और जाति प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेज एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए जाएं। इससे लोगों को भटकना नहीं पड़ेगा और वे आसानी से सरकारी योजनाओं से जुड़ सकेंगे। बैठक में निर्माण कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली गई। कलेक्टर ने सड़क, पेयजल, बिजली और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खासकर नक्सल प्रभावित और दूरस्थ इलाकों में विकास की रफ्तार तेज करना जरूरी है। नक्सल पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास पर भी बैठक में चर्चा हुई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिलाया जाए। बैठक में योजनाओं की नियमित निगरानी, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना : नवागढ़ में 143 जोड़े विवाह बंधन में बंध

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा के नवागढ़ विकासखंड मुख्यालय स्थित हाई स्कूल मैदान में मंगलवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 143 निर्धन परिवारों के वर-वधू का सामूहिक विवाह गरिमामय एवं भव्य वातावरण में संपन्न हुआ। एक ही मंडप में 143 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया। इस अवसर पर सभी नवदंपतियों ने सुखमय दांपत्य जीवन एवं बाल विवाह नहीं करने-कराने की शपथ भी ली।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने दिया आशीर्वाद, शासन की योजनाओं को बताया जनकल्याणकारी- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए सुखी, समृद्ध एवं खुशहाल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विवाह जीवन का एक पवित्र और विश्वसनीय बंधन है, जिसमें पति-पत्नी सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर जीवन की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं।

मंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना निर्धन परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। शासन बेटियों के विवाह की चिंता को समझते हुए उनके सम्मानपूर्वक विवाह की जिम्मेदारी उठा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत पहले दी जाने वाली ?25,000 की सहायता राशि को बढ़ाकर ?50,000 किया गया है, जिससे नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थ जीवन की शुरुआत में आर्थिक संबल मिलता है। इस अवसर पर उन्होंने प्रत्येक जोड़े को विवाह सहायता राशि का चेक, उपहार एवं विवाह की स्मृति स्वरूप तस्वीर भेंट की।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने अपने एकात्म उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी पहल है। यह योजना निर्धन परिवारों की बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण का प्रतीक है, जो समाज में समानता और समरसता को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि शासन की यह सोच है कि कोई भी बेटी केवल आर्थिक अभाव के कारण अपने विवाह से वंचित न रहे। सामूहिक विवाह जैसी पहल न केवल फिजूलखर्ची पर रोक लगाती है, बल्कि सामाजिक एकता और पारिवारिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करती है।

पारंपरिक बारात, एक मंडप में वैवाहिक संस्कार ङ्क सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण- कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ बारात निकालने से हुई, जो स्कूल परिसर से चलकर विवाह स्थल पहुंची। इसके पश्चात सभी वर-वधू एक ही मंडप में बैठकर पुरोहितों द्वारा संपन्न कराए गए वैवाहिक संस्कारों में शामिल हुए। पूरे आयोजन में हिंदू विवाह परंपराओं का विधिवत पालन किया गया।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, महिला एवं बाल विकास अधिकारी चंद्रबेश शिसोदिया सहित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। कलेक्टर ने अपने स्वागत भाषण में छत्तीसगढ़ की विवाह परंपराओं एवं सामाजिक मूल्यों पर प्रकाश डाला।

जनप्रतिनिधियों ने की योजना की सराहना, बताया निर्धन परिवारों के लिए संजीवनी- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना निर्धन परिवारों के लिए एक संजीवनी के समान है, जिसमें बिना किसी निजी खर्च के शासन स्तर पर बेटियों का विवाह संपन्न कराया जाता है। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज के सभी वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने भी नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सशक्त बनाने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। सामूहिक विवाह गायत्री मंत्रोच्चार एवं सामाजिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष नवागढ़ हेमाजय दिवाकर, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू, राम साहू, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं वर-वधू के परिजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कल होगा महिला मोर्चा की परिचयात्मक बैठक सह बजट संवाद कार्यक्रम

सारंगढ़/मूक पत्रिका। बुधवार को सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला महिला मोर्चा के तत्वावधान में बजट संवाद सह परिचयात्मक बैठक आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष वैजयंती नंदू लहरे ने बताया कि 11 फरवरी को दोपहर 01 बजे जिला भाजपा कार्यालय चंदाई में केंद्रीय आम बजट पर संवाद तथा नवगठित कार्यकारिणी का प्रथम परिचयात्मक बैठक आयोजित किया गया है । उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बजट में महिलाओं के हित में किए गए प्रावधानों, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देना और नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी एवं मण्डल अध्यक्षों को सम्मानित करना है। जिसके लिए मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती मंजूषा भगत महापौर अंबिकापुर जी का आगमन हो रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति पटेल व जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे भी विशेष रूप से मौजदूगी रहेगी।

राडा ऑटो एक्सपो में नई येज़दी रोडस्टर के अनावरण केलिए रायपुर के सांसद जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स के मंचपर पहुंचे

रायपुरः रायपुर में आयोजित राडा ऑटो एक्सपो के 9वेंसंस्करण में जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स ने आवासन और शहरी कार्यमंत्रालय के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और रायपुर से लोकसभा सदस्य श्रीबृजमोहन अग्रवाल का स्वागत किया। दोनों विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूपसे कंपनी की बेस्टसेलर मोटरसाइकिल येज़दी रोडस्टर का मंच से अनावरणकिया। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह ऑटोएक्सपो मध्य भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल प्रदर्शनियों में से एक है, जिसमेंयात्री और वाणिज्यिक वाहन मूल उपकरण निर्माताओं और स्थानीयऑटोमोबाइल डीलरों के 300 से अधिक स्टॉल शामिल हैं। आयोजन स्थल परटेस्ट राइड और एक्सपीरियंस ज़ोन भी बनाए गए हैं, जिससे आगंतुक खरीद सेपहले अपने सभी सवालों के जवाब प्राप्त कर सकें और सोच-समझकर निर्णय लेसकें। राडा ऑटो एक्सपो में जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स की मौजूदगी उसकीब्लॉकबस्टर येज़दी रोडस्टर को प्रदर्शित करती है, जिसे प्रतिष्ठित 'बेस्ट350सीसी मोटरसाइकिल' पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। यह ऑटोएक्सपो मध्य भारत के मोटरसाइकिल प्रेमियों से जुड़ने का एक प्रभावी मंच प्रदानकरता है, खासकर उन युवाओं के लिए जो एक प्रामाणिक, परफॉर्मेंस-आधारितनियो-क्लासिक मोटरसाइकिल खरीदने की इच्छा रखते हैं। यह आयोजन भारतके उभरते ऑटोमोटिव हब्स में अधिक से अधिक राइडर्स तक पहुंचने और उन्हेंपरफॉर्मेंस क्लासिक मोटरसाइक्लिंग की दुनिया से जोड़ने की कंपनी कीप्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। साथ ही, जावा येज़दी मोटरसाइकिल्सदेशभर में अपने डीलरशिप नेटवर्क का विस्तार भी लगातार कर रही है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर देशभर में जागरूकता अभियानों की शुरुआत की

गुरुग्रामः होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (।र्स्स्ढ्ढ) ने देशभर में रोड सेफ्टी को लेकर कई जागरूकता-केंद्रित पहलें आयोजित कीं। इन गतिविधियों के लिए कंपनी ने अपने डीलर नेटवर्क और स्थानीय स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर सुरक्षित सड़क व्यवहार और ट्रैफिक नियमों की बेहतर समझ को बढ़ावा दिया।पूरे महीने के दौरान, देश के विभिन्न शहरों में सड़क सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 30,000 से अधिक लोगों की भागीदारी रही। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत अपनी पहलों के हिस्से के रूप में, एचएमएसआईने जयपुर आइडियल रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट भी लॉन्च किया, जो सुरक्षित और जिम्मेदार मोबिलिटी की दिशा में कंपनी के फोकस को दर्शाता है। यह प्रोजेक्ट एक समग्र अप्रोच अपनाता है, जिसमें एजुकेशन, एनफोर्समेंट, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी रिस्पॉन्स को स्कूलों, ट्रैफिक पुलिस, स्थानीय प्रशासन और नागरिकों के सहयोग से रोज़मर्रा के सामुदायिक जीवन में जोड़ा गया है।इस पहल का फोकस जागरूकता और ट्रेनिंग, बेहतर सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर, चिन्हित ज़ोन्स में सख्त अनुपालन और क्रिटिकल लोकेशंस के विश्लेषण पर है। फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स की बेहतर तैयारी के जरिए यह पहल दुर्घटनाओं को कम करने और जीवन बचाने का लक्ष्य रखती है, साथ ही एक अधिक जिम्मेदार, तैयार और सेफ्टी-कोंशियस समुदाय का निर्माण करती है, जो देशभर के शहरों के लिए एक मॉडल बन सकता है। रोड सेफ्टी रैली, समिट, हेलमेट वितरण, मासिक सड़क सुरक्षा अभियान और अन्य एंगेजमेंट गतिविधियों सहित सभी जागरूकता कार्यक्रमों का फोकस ट्रैफिक नियमों, राइडर की जिम्मेदारी और प्रोटेक्टिव राइडिंग प्रैक्टिसेज़ की अहमियत को लेकर प्रैक्टिकल लर्निंग पर रहा।

सरकारी जमीनों पर बन रही बड़ी बिल्डिंग

मेडिकल कॉलेज रोड में दोनों तरफ अतिक्रमण जोरों पर

मूक पत्रिका/रायगढ़ =रायगढ़ जिले में सबसे बड़ा हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज का है। अस्पताल जाने वाली सडक़ को चौड़ा करने के बजाय अब यहां धड़ल्ले से अतिक्रमण करवाए जा रहे हैं। रोड के दोनों ओर सरकारी जमीनों पर निर्माण जारी हैं। लाखों रुपए की लागत से बड़े-बड़े भवन बनाने का काम जारी है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल और सौ बिस्तर मातृशिशु अस्पताल एक ही रोड पर स्थित हैं। टीवी टावर रोड पर से ही सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण शुरू हो जाता है। आगे पेट्रोल पंप आते तक तो दोनों ओर की सरकारी जमीनों पर कई भवन दिखने लगते हैं। बड़े अतरमुड़ा खसरा नंबर 120/1 रकबा 2.7230 हे. में तो हद हो गई है। सरकारी जमीन पर नगर निगम ने पीएम आवास भी स्वीकृत कर दिया है। मकान के अलावा करीब तीन डिसमिल जमीन को घेर लिया गया है। अभी भी बची हुई जमीन पर लगातार

अतिक्रमण होता जा रहा है।

पेट्रोल पंप के ठीक सामने करीब 5000 वर्गफुट पर हो रहा निर्माण सुर्खियों में है। सरकारी जमीन पर लाखों की लागत से किराए पर देने के लिए मकान निर्माण कर लिए गए हैं। टू बीएचके मकानों के कई ब्लॉक बन चुके हैं। तालाब के विपरीत दिशा में पर्दा डालकर दो मंजिला मकान बनाया जा रहा है। इस मकान के निर्माण को रोकने और पीएम आवास मकान बनाने वाले को एसडीएम ने पूर्व में चेतावनी दी थी। अतिक्रमण हटाने के लिए समय भी दिया था। उस मोहलत को खत्म हुए कई महीने बीतने को हैं, लेकिन अब तक इसमें कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उसी का नतीजा है कि अब भी निर्माण

** भूस्वामी की जानकारी **	
भू-स्वामी का नाम :	शासकीय भूमि
पिता का नाम :	-
जाति :	- (-)
भू-स्वामी का पता :	अतरमुड़ा बड़े, , जिला : रायगढ़, तहसील : रायगढ़, ग्राम : बड़ेअतरमुडा-4103073 (00058)
** भूमि की जानकारी **	
ख़सरा क्रमांक :	120/1
बसरा क्रमांक :	120/1
खाता क्रमांक :	-- N/A --
भूमि प्रकार (धारणाधिकार) :	शासकीय भूमि
** क्षेत्रफल की जानकारी **	
कुल :	2.7230 (हे॰)
सिंचित :	0.0000 (हे॰)
असिंचित :	0.0000 (हे॰)
द्विफसली :	0.0000 (हे॰)
पड़ती :	0.0000 (हे॰)
पड़ती (2 से 5 वर्ष) :	0.0000 (हे॰)
पड़ती अन्य :	0.0000 (हे॰)

बदस्तूर जारी है।

संकरी होती जा रही है रोड- मेडिकल कॉलेज रोड पर रोजाना कई एंबुलेंस और मरीजों का आना-जाना होता है। यह बहुत व्यस्त सडक़ है। कई शासकीय आवंटन वाली जमीन भी रोड के दोनों ओर है। इनमें लगातार अवैध निर्माण होने की वजह से सड़क संकरी हो चुकी है। कई लोगों ने सामने सडक़ की जमीन पर शेड निकाल दिए हैं। कई ने अपने मकान के पीछे की जमीन दबानी शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में यहां सडक़ चौड़ा करने के लिए सरकार को मुआवजा देना होगा। खसरा नंबर 120/1 छोटे झाड़ के जंगल के रूप में दर्ज है। प्राइम लोकेशन पर करीब सात एकड़ जमीन अवैध कब्जे की भेंट चढ़ गई है।

आरसेटी बलरामपुर द्वारा 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ.........

बलरामपुर जिले में ग्रामीण युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में एक सशक्त पहल करते हुए, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी द्वारा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन तथा समस्त टीम के समन्वित सहयोग से ग्राम डीपाडीह, विकासखंड शंकरगढ़ में 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम 09 जनवरी से 07 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड कुसमी एवं शंकरगढ़ के महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों का उन्नति पोर्टल में पंजीकरण कर उन्हें राजमिस्त्री प्रशिक्षण का लाभ प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का संचालन डोमेन स्किल ट्रेनर श्री रवि केशरी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण अवधि

के दौरान ट्रेनर श्री केशरी द्वारा परीक्षार्थियों को एक कुशल राजमिस्त्री बनने से संबंधित तकनीकी दक्षताओं के साथ-साथ बैंकिंग की सामान्य जानकारी, ऋण सुविधा, बचत, तथा स्वरोजगार से जुड़ी दैनिक जीवन की महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गई। आरसेटी संचालक श्री पी. के. दास एवं फैकल्टी सुश्री तसनीम निकहत के द्वारा बैंकिंग विषयक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस राज्य स्तरीय टीम से ईडीपी सुश्री शालिनी गौतम एवं डोमेन असेसर श्री सतराम साहू द्वारा अंतिम मूल्यांकन भी किया गया। और सभी को शुभकामनाएं भी दी।

बिलासपुर स्टेशन पर वाणिज्य विभाग की त्वरित व मानवीय पहल से अस्वस्थ वरिष्ठ यात्री को समय पर मिली चिकित्सा सहायता

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर आज वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम की त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई से एक अस्वस्थ वरिष्ठ यात्री को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराते हुए सुरक्षित राहत प्रदान की गई। संबंधित यात्री भिलाई से कोरबा की यात्रा कर रहे थे तथा बिलासपुर स्टेशन पर उन्हें कोरबा जाने के लिए ट्रेन बदलनी थी। इसी दौरान बिलासपुर रेलवे स्टेशन परिसर में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने से वे अचेत हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही वाणिज्य विभाग की स्पेशल सेल टीम ने तत्परता एवं सजगता का परिचय देते हुए तत्काल मौके पर पहुंचकर यात्री को स्टेशन स्थित आपातकालीन चिकित्सा कक्ष तक पहुंचाया तथा उनके परिजनों से शीघ्र संपर्क स्थापित

किया। चिकित्सकीय जांच में पाया गया कि यात्री का शुगर स्तर अत्यधिक कम हो गया था, जो गंभीर स्थिति थी। चिकित्सकों की निगरानी में उन्हें आवश्यक प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सा सहायता प्रदान की गई, जिससे शीघ्र ही उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। स्वास्थ्य में सुधार के पश्चात परिजनों के अनुरोध पर यात्री को पूर्ण सुरक्षा एवं देखरेख के साथ ट्रेन द्वारा उनके गंतव्य कोरबा के लिए रवाना किया गया। स्पेशल सेल टीम द्वारा की गई इस त्वरित, सजग एवं मानवीय कार्रवाई के परिणामस्वरूप कम समय में ही यात्री की स्थिति सामान्य हो सकी। यात्री एवं उनके परिजनों ने रेलवे प्रशासन एवं स्पेशल टीम की त्वरित सहायता, समर्पण और सेवा भावना के प्रति आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने टीम के सदस्यों की तत्परता, सजगता एवं मानवीय संवेदना की सराहना करते हुए कहा कि स्पेशल टीम आपातकालीन परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए मानवीय सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा सरगुजा के नव नियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सूची जारी किया गया

■ जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष महेंद्र रवि ने की घोषणा

अंबिकापुर । सरगुजा भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा सरगुजा के जिलाध्यक्ष महेंद्र रवि द्वारा अजा मोर्चा के नव नियुक्त जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य एवं स्थायी आमंत्रित सदस्यों की सूची जारी की गई। यह सूची संकल्प भवन, भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जारी की गई। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं श्रीमती अरुणा सिंह, संवाद प्रमुख रूपेश दुबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एससी मोर्चा अवधेश सोनकर, निलेश सिंह, संतोष दास सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। नव पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर विनोद सारथी, चंद्रप्रकाश सोनवानी, कुसुमकांत, सुरेश सोनकर एवं महादेव सोनवानी, महामंत्री पद पर आर.डी.

चौहान एवं बबली नेताम, मंत्री पद पर श्रीमती सीमा कश्यप, निरेंद्र सारथी, प्रकाश गढ़वारी, शंकर राम रवि एवं रवि शंकर नायक, कोषाध्यक्ष पद पर प्रवीन नामदेव, सह-कोषाध्यक्ष पद पर अनिल सारथी, कार्यालय मंत्री पद पर नेहा सोनवानी, सह-कार्यालय मंत्री पद पर राजकुमार सारथी, मीडिया प्रभारी गौतम रवि, सोशल मीडिया प्रभारी अजीत कुमार चौधरी एवं मन की बात प्रभारी परमेश्वर सारथी बनाये गए । जिला कार्यसमिति सदस्य में मंजु कटघर, क्रांति सोनकर, महेन्द्र पासवान, प्रकाश झारिया, बबलु रवि, जोगेश्वर इन्द्रवार, भीखम गहिरवार, यशोदा सोनवानी, नरेश सारथी, मनमोहन मिर्ज, अजय रवि, मासूम सेमरिया, नंद राम, सुमक नायक, रोशन नायक, भोट राम, लुनन मिर्ज, देवनारायण सारथी, मंत्री सारथी, छगपाल मिर्ज, सुरेश मिर्ज, शीला रवि, रामदयाल चौहान, शिवभूषण सोनवानी, तामेश्वर चौधरी, विवेकानंद सोनवानी, भगत चौहान, धीरन रवि एवं राज बसोर, राजू कुमार, मोहन लाल, संजय रवि और केते सारथी को शामिल किया गया है । इस प्रकार स्थायी आमंत्रित सदस्यों में भारत सिंह सिसोदिया, अवधेश सोनकर, नकुल सोनकर, जीवबंधन सोनवानी, राधा रवि, ध्रुव रवि, अशोक सोनवानी, राकेश दिवाकर एवं वर्षा सोनवानी हैं ।

बिलासपुर के बाल कलाकार मास्टर तनिष्क वर्मा का राष्ट्रीय मंच पर जलवा

■ 15 फरवरी को विश्वप्रसिद्ध लिंगराज मंदिर, भुवनेश्वर में देंगे प्रस्तुति

■ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक प्रतिभा

मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में अव्यवस्था पर विवाद, सांसद प्रतिनिधि लौटे , बेहोश हुआ दूल्हा अब स्वस्थ

बीजापुर में 305 जोड़ों का सामूहिक विवाह, अधिकारी बोलीं, कार्यक्रम शांतिपूर्ण रहा

मूक पत्रिका/बीजापुर। मिनी स्टेडियम में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के सामूहिक विवाह समारोह में एक तरफ 305 जोड़े विवाह बंधन में बंधे, तो दूसरी ओर व्यवस्थाओं को लेकर विवाद भी सामने आया। स्वागत नहीं होने से नाराज सांसद प्रतिनिधि जीलाराम राना बीच कार्यक्रम से लौट गए, वहीं तेज धूप के बीच एक वर के अचानक बेहोश होने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ जनप्रतिनिधियों का न तो विधिवत स्वागत हुआ और न ही मंच से परिचय कराया गया, जिससे नाराजगी दिखी। सांसद प्रतिनिधि के साथ भाजपा कार्यकर्ता पूजा पोंदी, माया झाड़ी और सुगंती चालकी भी कार्यक्रम से बाहर आ गईं। भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष पूजा पोंदी ने सोशल मीडिया पर इसे लापरवाही

बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों में जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से कार्यक्रम की गरिमा प्रभावित होती है।

इधर, समारोह के दौरान एक वर अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उसे सरकारी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज किया गया। घटना के बाद धूप और पेयजल व्यवस्था को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं, हालांकि प्रशासन की ओर से पहले कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

बाद में महिला एवं बाल विकास अधिकारी कांता राम मेश्राम ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि जिले में 305 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। कार्यक्रम के दौरान एक वर की तबीयत अचानक खराब हुई, जिसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि युवक को जेनेटिक समस्या है और इस तरह की स्थिति बीच-बीच में होती रहती है। फिलहाल युवक पूरी तरह स्वस्थ है और पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस मामले में सांसद प्रतिनिधि जीलाराम राना ने दूरभाष पर चर्चा में नाराजगी जताते हुए कहा कि सार्वजनिक मंच पर आमंत्रित कर किसी का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए उच्च स्तर पर जानकारी दी जाएगी। जनप्रतिनिधियों के साथ इस तरह के व्यवहार को रोकने के लिए सुधारात्मक कदम उठाए जाने की जरूरत है, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की गरिमा बनी रहे।

योजना के तहत जिले में 155 जोड़ों का

विवाह आदिवासी, 133 का हिंदू और शेष का ईसाई रीति-रिवाज से कराया गया। गाजे-बाजे और उत्साह के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि प्रदेशभर में 6414 जोड़ों का एक साथ विवाह होना सामाजिक सहयोग का बड़ा उदाहरण है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मदद के लिए शुरू की गई इस योजना में अब प्रति जोड़े 50 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। नवदंपत्तियों को 25-25 हजार रुपये के चेक प्रदान किए गए, ताकि वे नए जीवन की शुरुआत सम्मान के साथ कर सकें।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, उपाध्यक्ष पेरे पुलैय्या, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, पूर्णिमा तेलम, कलेक्टर संबित मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और परिजन मौजूद रहे।

संपादकीय

हंगामे के बीच संसद में बदली वैश्विक तस्वीर

बजट सत्र के सातवें दिन संसद में जिस तरह की स्थितियां पैदा हुईं, वे निश्चित रूप से लोकतांत्रिक परंपराओं में संवाद के समांतर एक बार फिर मतभेदों के तीखे होने को ही दर्शाता है। मौजूदा सत्र में पिछले कई दिनों से लगातार हंगामे की स्थिति बनी रही और सदन की कार्यवाही बाधित होती रही। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन शोर-शराबे और हंगामे की वजह से सदन को स्थगित कर दिया गया था।विपक्षी दलों की ओर से उठाए गए सवालों और उतार-चढ़ाव के बीच आखिर गुरुवार को प्रधानमंत्री ने राज्यसभा को संबोधित किया। जबकि विपक्ष के नेता को न बोलने देने का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी दलों ने सदन का बहिष्कार किया। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि विपक्ष सदन नहीं चलने दे रहा।जाहिर है, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जहां समग्र चर्चा होनी चाहिए थी, वहां सदन हंगामे की वजह से बाधित हुआ। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने सरकार के फैसलों और नीतियों को स्पष्ट करते हुए राज्यसभा में अपनी राय रखी।पिछले कुछ समय से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में तेजी से नीतिगत स्तर पर भी बदलाव होते देखे जा रहे हैं और नई व्यवस्था की जमीन बनती दिख रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इसका उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा दौर में स्थितियां संभाली नहीं जा पा रही हैं, तो ऐसे में स्पष्ट दिख रहा है कि दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है।इससे पहले दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब बदल रही है और अगर इसे तटस्थ भाव से देखा जाए, तो साफ लग रहा है कि झुकाव भारत की ओर है। दरअसल, हाल के वर्षों में विकसित देशों के कूटनीतिक टकरावों और उससे उपजे हालात के बीच वैश्विक दक्षिण के रूप में देखे जाने वाले देशों की समस्याओं पर आवाज उठने की प्रक्रिया जिस तरह धीमी पड़ रही थी, उसमें भारत को एक उम्मीद की नजर देखा जा रहा था।इसी को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में वैश्विक दक्षिण को लेकर होने वाली चर्चा के सूत्रधार के साथ-साथ भारत को वैश्विक दक्षिण की बुलंद आवाज के रूप में देखा जाता है।भारत के कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते नीतिगत स्तर पर आने वाले समय में काफी अहम साबित होने वाले हैं और उसके परिणामों को लेकर अभी से उत्सुकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ समझौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई विकसित देश किसी विकासशील देश के साथ अपनी पहल से समझौता करता है, तो यह अर्थजगत के लिए एक बड़ा संदेश है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: नरेन्द्र मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

(ललित गर्ग)

यहां देर आए, दुरुस्त आए की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और मेक इन इंडिया को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को निरंतर धैर्य का परिणाम बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाज़ी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रणबांकुरे- कहानी नायक जदुनाथ सिंह की

(यशवीर सिंह)

जदुनाथ सिंह का जन्म 21 नवंबर 1916 को यूपी के शहाजहांपुर के खजूरी गांव में हुआ था। वह नवंबर 1941 में भारतीय सेना की राजपूत रेजीमेंट में भर्ती हुए। मिलिट्री ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उनकी पोस्टिंग राजपूत रेजीमेंट की पहली बटालियन में हुई।

जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के बाद पाकिस्तान बेहद बेचैन था, वह किसी भी तरह जम्मू-कश्मीर के ज्यादा से ज्यादा इलाकों पर कब्जा करना चाहता था। वह पहले ही राज्य के कई इलाकों पर कब्जा कर चुका था। पाकिस्तान के हर हथकंड़े को फेल करने के लिए भारत सरकार ने राज्य में महत्वपूर्ण जगहों पर सेना तैनात की हुई थी। ऐसी ही एक जगह है नौशेरा, जहां की तैन धार चौकी पर फरवरी 1948 में भारतीय सेना की 1राजपूत के 27 जवान तैनात थे। यहां के पोस्ट कमांडर नायक यदुनाथ सिंह थे।

दरअसल नौशेरा के कुछ इलाकों पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था, इन इलाकों पर भारतीय सेना की 50 पैरा ब्रिगेड ने 1 फरवरी 1948 को एक जोरदार हमला बोल कर वापस नियंत्रण हासिल किया। इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ और उसे पीछे हटना पड़ा।

आगे की कहानी बताने से पहले आपको याद दिलाते हैं 'लक्ष्य फिल्म' का वो डायलॉग, जिसमें ओमपुरी ऋतिक रोशन से कहते हैं - 'अगर पाकिस्तानी हारे तो लौटकर जरूर आता है।' नौशेरा में भी कुछ ऐसे ही हुआज पाकिस्तानी सेना पूरी तैयारी के साथ लौटी। उसने 6 फरवरी 1948 को तैन धार पर हमला किया, जहां उसका सामना तैन धार चौकी पर जदुनाथ सिंह और उनके साथियों से हुआ।

पाकिस्तान के तीन हमलों को किया नाकाम

रात में घने कोहरे का फायदा उठाकर पाकिस्तान ने भारतीय चौकी पर हमला किया, उसकी तरफ से कई बार चौकी पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। लेकिन भारतीय सैनिकों ने उनका हर प्रयास विफल कर दिया।

हर शहीद भारतीय सैनिक की जानकारी रखने वाली वेबसाइट- ऑनरपॉइंट डॉट इन पर दी गई जानकारी के अनुसार, भारी मुश्किलों के बाद भी जदुनाथ सिंह ने एक छोटी सी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए दुश्मन के शुरुआती हमले को नाकाम कर दिया। भीषण गोलीबारी में जदुनाथ सिंह की टुकड़ी के चार जवान घायल हो गए। बिना हिम्मत हारे उन्होंने तुरंत अपनी टुकड़ी को संगठित कर अगले हमले की तैयारी की।

राष्ट्रीय समर स्मारक की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, 06 फरवरी 1948 को शत्रु सेनाओं ने उनकी चौकी पर एक के बाद एक हमला करना शुरु कर दिया। वे और उनकी टुकड़ी शत्रु द्वारा लगातार किए गए तीन हमलों से अपनी चौकी को बचाने में कामयाब रहे।

ऑनरपॉइंट डॉट इन पर दी गई जानकारी के अनुसार, भारी मुश्किलों के बाद भी जदुनाथ सिंह ने एक छोटी सी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए दुश्मन के शुरुआती हमले को नाकाम कर दिया। भीषण गोलीबारी में जदुनाथ सिंह की टुकड़ी के चार जवान घायल हो गए। बिना हिम्मत हारे उन्होंने तुरंत अपनी टुकड़ी को संगठित किया और अगले हमले की तैयारी की।

तैनधार क्यों महत्वपूर्ण?

नौशेरा सेक्टर में स्थित तैनधार रिज की बहुत रणनीतिक अहमियत बहुत ज्यादा थी। अगर इस पहाड़ी पर दुश्मन का कब्जा हो जाता तो वह श्रीनगर एयरफील्ड के लिए खतरा पैदा कर सकता था। यह एयरफील्ड भारतीय ऑपरेशन्स के लिए एक अहम लाइफलाइन थी। नायक जदुनाथ सिंह का जन्म 21 नवंबर 1916 को यूपी के शहाजहांपुर के खजूरी गांव में हुआ था। उनके पिता बीरबल सिंह राठौर एक किसान थे। जदुनाथ के अलावा बीरबल सिंह के छह बेटे और एक बेटी थी। पढ़ाई के अलावा जदुनाथ खेतों में काम कर अपने पिता की मदद किया करते थे। वह नवंबर 1941 में भारतीय सेना की राजपूत रेजीमेंट में भर्ती हुए। मिलिट्री ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उनकी पोस्टिंग राजपूत रेजीमेंट की पहली बटालियन में हुई।

सत्ता की निष्कंटक राह बरास्ते सुनेत्रा की ताजपोशी

महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है। महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है। सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है। फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। पारिवारिक वज्रपात के बीच सिंहासन पर बैठने को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि समाज के सोचने का अपना ढंग है। सियासी हस्तियों से भी उसे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की उम्मीद रहती है। सुनेत्रा सामाजिक सवालों से बच नहीं सकतीं।

(उमेश चतुर्वेदी)

लेकिन सवाल यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन-फानन में शपथ ले ली। महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी। महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी ओर से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके चलते सुप्रिया सुले की पार्टी पर पकड़ बढ़ जाएगी। सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता। प्रफुल्ल कभी शरद पवार के बेहद नजदीकी होते थे। अजित के साथ जाकर एक तरह से उन्होंने शरद पवार के साथ दगाबाजी ही की है। उन्हें ज्यादा आशंका थी कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ होने के चलते शरद के बहाने सुप्रिया का चाबुक उन पर चल सकता है। लेकिन अगर पार्टी अलग रहती है और सुनेत्रा के हाथ कमान रहती है तो इन नेताओं की सियासी सेहत बनी और बची रह सकती है। यही वजह है कि अजित के निधन के चलते हुए आधिकारिक शोक की मियाद खत्म होते ही प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे जैसे नेता सक्रिय हो गए। विधायक दल की बैठक बुलाई गई और सुनेत्रा को तत्काल उसका नेता चुनकर उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार कर लिया गया। शरद पवार भले ही इस सियासी पटकथा का लेखक सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को मानते हों, लेकिन महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कहा जा रहा है कि असल में यह पटकथा राज्य की बीजेपी ने लिखा है। पटेल और तटकरे जैसे नेताओं ने सिर्फ इसे अमल में लाने में भूमिका निभाई है।

सवाल उठ सकता है कि अगर सुनेत्रा शपथ नहीं लेतीं तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी, क्योंकि राज्य में बीजेपी के 132 और एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना के 57 विधायक हैं। राज्य में बहुमत के लिए महज 145 सीटें चाहिए होती हैं। इस लिहाज से देखें तो बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को कोई खतरा नहीं होने जा रहा था। अजित समेत एनसीपी के 41 विधायक पिछले चुनाव में चुने गए हैं। अजित के न रहने पर यह संख्या 40 रह गई है। लेकिन बीजेपी की चिंता दूसरी है। शरद पवार की राजनीतिक स्थिति भले ही ठीक ना हो, लेकिन जैसे ही दोनों एनसीपी का विलय होता, शरद ताकतवर होकर उभरते। महाराष्ट्र का यह चाणक्य एक बार फिर स्थापित होता और बीजेपी के लिए नई सिरदर्दी खड़ी हो जाती। शरद पवार इतने प्रभावी और सियासी रूप से तिकड़मी हैं कि बीजेपी के लिए संकट बनकर उभर जाते। उनकी प्रभावी सक्रियता के चलते शिवसेना के गुटों को भी एक करने की वे कोशिश कर सकते थे। भले ही यह सोच कल्पना लग रही हो, लेकिन एकबारगी स्वीकार कर लें कि ऐसा होता तो महाराष्ट्र की राजनीति कैसी होती।

महाराष्ट्र में जिला परिषदों के चुनाव हो रहे हैं। पहले विधानसभा और बाद में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की अगुआई वाली महाविकास अघाड़ी को सफलता नहीं मिली। अजित पवार के न रहने के चलते कांग्रेस को सक्रिय होना चाहिए था। अजित की अगुआई वाले जिला परिषद उम्मीदवार उनके न रहने की वजह से थोड़े आशंकित और निराश भी हैं। इस निराशा को कांग्रेस भुना सकती थी। वह एनसीपी के उम्मीदवारों पर डोरे डाल सकती थी और अपने उम्मीदवारों को नए जोश से भर सकती थी। अजित बेशक सत्ता में थे, लेकिन उन्हें विपक्षी खेमे के लिए अब भी हसरतभरी निगाह से ताकतवर नेता के रूप में देखा जा रहा था। अजित के न रहने के बाद विपक्षी नेतृत्व के लिए आसमान खुल गया है। शरद पवार की उम्र हो गई है। शरद के बाहर जाने के बाद से ही कांग्रेस राज्य में कमजोर हुई है। सुप्रिया सुले का नेतृत्व ऐसा नहीं है कि वह राज्यव्यापी प्रभाव हासिल कर पाए। यह माहौल कांग्रेस के लिए ज्यादा उपयुक्त हो सकता है। ऐसे माहौल में कांग्रेस को अपने ताकतवर नेतृत्व को स्थानीय स्तर पर आगे लाना चाहिए था। लेकिन वह ऐसा करती नहीं दिख रही। 2014 के बाद से उसने जिस नैरेटिव युद्ध की शैली को अपनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर उसी युद्ध प्रक्रिया को जारी रखे हुए है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के पास फुर्सत नहीं है कि वह महाराष्ट्र या किसी अन्य राज्य की राजनीति के बारे में स्थानीय जरूरतों के लिहाज से सोचे और स्थानीय समुदायों के लिए उन्हीं के बीच से प्रभावी नेतृत्व उभारे।

रणनीतिक लिहाज से देखें तो महाराष्ट्र में बीजेपी सभी दलों पर एक बार फिर बीस पड़ती नजर आ रही है। उसने सुनेत्रा को अपने खेमे में लाकर एक तीर से दो निशाने साध लिए हैं। उसने एनसीपी की ओर निश्चिंतता हासिल कर ली है, शरद पवार को एक बार फिर किनारे रखने में सफल हुई है और अपने लिए खतरा बनने की शरद की संभावनाओं को एक तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई देश की आर्थिक राजधानी भी है। इसी वजह से केंद्रीय सत्ता के बाद सबसे ज्यादा प्रभावशाली महाराष्ट्र की सत्ता मानी जाती है। माना जाता है कि कारपोरेट और औद्योगिक जगत पर सबसे ज्यादा पकड़ महाराष्ट्र के सिंहासन की होती है। मौजूदा राजनीति में आर्थिकी सबसे ज्यादा प्रभावी है। महाराष्ट्र की सत्ता पर पकड़ देश की आर्थिक ताकतों की नब्ज पर पकड़ बनाती है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि बीजेपी अपनी इस पकड़ को कमजोर होते नहीं देखना चाहती। इसलिए उसने सुनेत्रा को साधने में देर नहीं लगाई। इसके लिए एनसीपी के ही नेताओं को अपना औजार बनाया और सफल रही। वैसे भी शरद पवार उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां से उनके लिए गुंजाइश कम है। उनके पास सक्रिय रहने के लिए ज्यादा वक्त नहीं है। बेशक वे अब भी कमजोर हों, लेकिन बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उद्धव ठाकरे नहीं, शरद पवार ही हैं। सुनेत्रा को अपने खेमें में लाकर बीजेपी ने शरद की इस बची-खुची चुनौती भी खत्म करने में कामयाब रही है। सुनेत्रा के साथ से एकनाथ शिंदे के लिए महायुति से बाहर निकलने की सोचना या बीजेपी पर दबाव बढ़ाने का मौका खत्म हो जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति शिंदे के साथ के चलते सुनेत्रा की भी रहेगी। बीजेपी सुनेत्रा के जरिए शिंदे को संतुलित करेगी तो शिंदे के जरिए सुनेत्रा को काबू में रखेगी। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इस तरह हुई थी हनुमानजी की भगवान श्रीराम से पहली भेंट

हनुमानजी सुग्रीव आदि वानरों के साथ ऋष्यमूक पर्वत की एक बहुत ऊंची चोटी पर बैठे हुए थे। उसी समय भगवान श्रीरामचंद्रजी सीताजी की खोज करते हुए लक्ष्मणजी के साथ ऋष्यमूक पर्वत के पास पहुंचे। ऊंची चोटी पर वानरों के राजा सुग्रीव ने उन लोगों को देखा। उसने सोचा कि ये बालि के भेजे हुए दो योद्धा हैं, जो मुझे मारने के लिए हाथ में धनुष-बाण लिये चले आ रहे हैं। दूर से देखने पर ये दोनों बहुत बलवान जान पड़ते हैं। डर से घबराकर उसने हनुमानजी से कहा- हनुमान! वह देखो, दो बहुत ही बलवान मनुष्य हाथ में धनुष-बाण लिये इधर ही बढ़े चले आ रहे हैं। लगता है, इन्हें बालि ने मुझे मारने के लिए भेजा है। ये मुझे ही चारों ओर खोज रहे हैं। तुम तुरंत तपस्वी ब्राह्मण का रूप बना लो और इन दोनों योद्धाओं के पास जाओ तथा यह पता लगाओ कि ये कौन हैं। यहां किसलिये घूम रहे हैं। अगर कोई भय की बात जान पड़े तो मुझे वहीं से संकेत कर देना। मैं तुरंत इस पर्वत को छोड़कर कहीं और भाग जाऊंगा।

डर गये सुग्रीव

सुग्रीव को अत्यन्त डरा हुआ और घबराया हुआ देखकर हनुमानजी तुरंत तपस्वी ब्राह्मण का रूप बनाकर भगवान श्रीरामचंद्र और लक्ष्मणजी के पास जा पहुंचे। उन्होंने दोनों भाइयों को माथा झुकाकर प्रणाम करते हुए कहा, प्रभो! आप लोग कौन हैं? कहां से आये हैं? यहां की धरती बड़ी ही कठोर है। आप लोगों के पैर बहुत ही कोमल हैं। किस कारण से आप यहां घूम रहे हैं? आप लोगों की सुंदरता देखकर तो ऐसा लगता है कि जैसे आप ब्रह्मा, विष्णु, महेश में से कोई हों या नर और नारायण नाम के प्रसिद्ध ऋषि हों। आप अपना परिचय देकर हमारा उपकार कीजिये।

हनुमानजी से प्रसन्न हुए श्रीराम और श्रीलक्ष्मण

हनुमानजी की मन को अच्छे लगने वाली बातें सुनकर भगवान श्रीरामचंद्रजी ने अपना और लक्ष्मण का परिचय देते हुए कहा कि राक्षसों ने सीताजी का हरण कर लिया है। हम उन्हें खोजते हुए चारों ओर घूम रहे हैं। हे ब्राह्मणदेव! मेरा नाम राम तथा मेरे भाई का नाम लक्ष्मण है। हम अयोध्या नरेश महाराज दशरथ के पुत्र हैं। अब आप अपना परिचय दीजिये। भगवान श्रीरामचंद्रजी की बातें सुनकर हनुमानजी ने जान लिया कि ये स्वयं भगवान ही हैं। बस, वे तुरंत ही उनके चरणों में गिर पड़े। राम ने उठाकर उन्हें गले से लगा लिया।

हनुमानजी ने राम-लक्ष्मण को कंधे पर बिठाया

हनुमानजी ने कहा, प्रभो! आप तो सारे संसार के स्वामी हैं। मुझसे मेरा परिचय क्या पूछते हैं? आपके चरणों की सेवा करने के लिए ही मेरा जन्म हुआ है। अब मुझे अपने परम पवित्र चरणों में जगह दीजिये। भगवान श्रीराम ने प्रसन्न होकर उनके मस्तक पर अपना हाथ रख दिया। हनुमानजी ने उत्साह और प्रसन्नता से भरकर दोनों भाइयों को उठाकर कंधे पर बैठा लिया। सुग्रीव ने उनसे कहा था कि भय की कोई बात होगी तो मुझे वहीं से संकेत करना। हनुमानजी ने राम-लक्ष्मण को कंधे पर बिठाया- यही सुग्रीव के लिए संकेत था कि इनसे कोई भय नहीं है। उन्हें कंधे पर बिठाये हुए ही वह सुग्रीव के पास आये। उनसे सुग्रीव का परिचय कराया। भगवान ने सुग्रीव के दु:ख और कष्ट की सारी बातें जानीं। उसे अपना मित्र बनाया और दुष्ट बालि को मारकर उसे किष्किन्धा का राजा बना दिया। इस प्रकार हनुमानजी की सहायता से सुग्रीव का सारा कष्ट दूर हो गया।

संकटमोटन हनुमान ने अपने जीवन काल में अभिमान वश एक ऐसा भी युद्ध लड़ा जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं इस युद्ध में हनुमान जी को हराने वाला कोई और नहीं एक राम भक्त ही था। तो आईए जानें आखिर कौन था ये राम भक्त.

संकटमोटन हनुमान को भी करना पड़ा था हार का सामना

श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी को वीरों के वीर महावीर कहा जाता है। जिन्होंने अपने प्रभु राम की रक्षा करने के लिए बहुत से युद्ध किए और जीते। शास्त्रों में इन्हें संकटमोटन कहा जाता है क्योंकि ये अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं। रामायण महाकाव्य में महर्षि वाल्मीकि ने राम चंद्र और हनुमान जी के कार्यो का बहुत ही सुंदर तरीके वर्णन किया है। रामायण के पान से यह पता चलता की हनुमान अपनी निस्वार्थ भक्ति से राम के मन मंदिर में बसे हुए हैं। राम जी के लिए बजरंगबली ने हर असंभव कार्य को भी संभव सिद्ध किया। इन्होंने अपने पराक्रम से बड़े-बड़ राक्षसों का नाश किया। इतना ही नहीं इन्होंने अपने पराक्रम से शनिदेव, बालि, अर्जुन, भीम जैसे बड़े-बड़े वीरों को युद्ध में पराजित करके उनका अभिमान चूर-चूर किया। लेकिन क्या आपको पता है कि संकटमोटन हनुमान ने अपने जीवन काल में अभिमान वश एक ऐसा भी युद्ध लड़ा जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं इस युद्ध में हनुमान जी को हराने वाला कोई और नहीं एक राम भक्त ही था। तो आईए जानें आखिर कौन था ये राम भक्त.

दरअसल मच्छिंद्रनाथ नाम के बड़े तपस्वी थें, एक बार जब वो रामेश्वरम में आए तो रामजी का निर्मित सेतु देख कर वे भावविभोर हो गए और प्रभु राम की भक्ति में लीन होकर वे समुद्र में स्नान करने लगे। तभी वहां वानर वेश में उपस्थित हनुमान जी की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने मच्छिंद्रनाथ जी के शक्ति की परीक्षा लेनी चाही। इसलिए हनुमान जी ने अपनी लीला आरंभ की, जिससे वहां जोरों की बारिश होने लगी, ऐसे में बानर रूपी हनुमान जी उस बारिश से बचने के लिए एक पहाड़ पर वार कर गुफा बनाने की कोशिश का स्वांग करने लगे। दरअसल उनका उद्देश्य था कि मच्छिंद्रनाथ का ध्यान टूटे और उन पर नजर पड़े और वहीं हुआ मच्छिंद्रनाथ ने तुरंत सामने पत्थर को तोड़ने की चेष्टा करते हुए उस वानर से कहा, 'हे वानर तुम क्यों ऐसी मूर्खता कर रहे हो, जब प्यास लगती है तब कुआं नहीं खोदा जाता, इससे पहले ही तुम्हें अपने घर का प्रबंध कर लेना चाहिए था।' ये सुनते ही वानर रूपी हनुमान जी ने मच्छिंद्रनाथ से पूछा, आप कौन हैं?

जिस पर मच्छिंद्रनाथ ने स्वयं का परिचय दिया 'मैं एक सिद्ध योगी हूं और मुझे मंत्र शक्ति प्राप्त है।' जिस पर हनुमान जी ने मच्छिंद्रनाथ की शक्ति की परीक्षा लेने के उद्देश्य से कहा, वैसे तो प्रभु श्रीराम और महाबली हनुमान से श्रेष्ठ योद्धा इस संसार में कोई नहीं है, पर कुछ समय उनकी सेवा करने के कारण, उन्होंने प्रसन्न होकर अपनी शक्ति का एक प्रतिशत हिस्सा मुझे भी दिया है, ऐसे में अगर आप में इतनी शक्ति है और आप पहुंचे हुए सिद्ध योगी है तो मुझे युद्ध में हरा कर दिखाएं, तभी मैं आपके तपोबल को सार्थक मानूंगा, अन्यथा स्वयं को सिद्ध योगी कहना बंद करें। इतना सुनते ही मच्छिंद्रनाथ ने उस वानर की चुनौती स्वीकार कर ली और युद्ध की शुरुआत हो गई। जिसमें वानर रुपी हनुमान जी ने मच्छिंद्रनाथ पर एक-एक करके 7 बड़े पर्वत फेंके, पर इन पर्वतों को अपनी तरफ आते देख मच्छिंद्रनाथ ने अपनी मंत्र शक्ति का प्रयोग किया और उन सभी सातों पर्वतों को हवा में स्थिर कर उन्हें उनके मूल स्थान पर वापस भेज दिया। इतना देखते ही महाबली को क्रोध आया उन्होनें मच्छिंद्रनाथ पर फेंकने के लिए वहां उपस्थित सबसे बड़ा पर्वत अपने हाथ में उठा लिया। जिसे देखकर मच्छिंद्रनाथ ने समुद्र के पानी की कुछ बूंदों को अपने हाथ में लेकर उसे वाताकर्षण मंत्र से सिद्ध कर उन पानी की बूंदों को हनुमान जी के ऊपर फेंक दिया।

इन पानी की बूंदों का स्पर्श होते ही हनुमान का शरीर स्थिर हो गया और हलचल करने में भी असमर्थ हो गया, साथ ही उस मंत्र की शक्ति से कुछ क्षणों के लिए हनुमान जी की शक्ति छिन्न गई और ऐसे में वे उस पर्वत का भार न उठा पाने के कारण तड़पने लगे। तभी हनुमान जी का कष्ट देख उनके पिता वायुदेव वहां प्रगट हुए और मच्छिंद्रनाथ से हनुमान जी को क्षमा करने की प्रार्थना की। वायुदेव की प्रार्थना सुन मच्छिंद्रनाथ ने हनुमान जी को मुक्त कर दिया और हनुमान जी अपने वास्तविक रुप में आ गए। इसके बाद उन्होंने मच्छिंद्रनाथ से कहा - हे मच्छिंद्रनाथ आप तो स्वयं में नारायण के अवतार हैं, ये मैं भलीभांति जानता था, फिर भी मैं आपकी शक्ति की परीक्षा लेने की प्रयास कर बैठा, इसलिए आप मेरी इस भूल को माफ करें। ये सुनकर और स्थिति को समझते हुए मच्छिंद्रनाथ ने हनुमान जी को माफ कर दिया।

कलयुग में अवतार लेंगे श्री गणेश

धर्म शास्त्रों के अनुसार जब भी धरती पर पाप बढ़ा है, तब भगवान अवतरित हुए हैं। सर्वप्रथम पूज्य गौरीपुत्र श्री गणेश भक्तों की विपदा को हरने वाले देव हैं। भगवान गणेश का पूजन देवता भी करते हैं जिनके स्मरण मात्र से सारे काम होते हैं। पुराणों में भगवान गणेश के कलयुग में अवतरित होने की बात कही गई है। जब पाप का आतंक बढ़ेगा तब बप्पा अवतार लेंगे, धरती को पापमुक्त करेंगे। फिर सतयुग का आरंभ होगा। धर्मशास्त्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए जिनमें गणपति बप्पा के प्रमुख अवतार हैं

मयूरेश्वर

त्रेतायुग में महाबली सिंधु के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान ने मयूरेश्वर के रूप में अवतार लिया। यह अवतार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को अभिजित मुहूर्त में हुआ था। इस अवतार में गणेश माता पार्वती के यहां अवतरित हुए थे। इस अवतार में गणेश जी के षडभुजा थीं, उनके चरण कमलों में छत्र, अंकुश एवं ऊरध्व रेखायुकृत कमल आदि चिन्ह थे। उनका नाम मयूरेश पड़ा। मयूरेश रूप में भगवान गणेश ने बकासुर, नूतन, कमालासुर, सिंधु एवं पुत्रों और उसकी अक्षौहिणी सेना का संहार किया तथा देवता, मनुष्य आदि को दैत्यों के भय से मुक्ति दिलाई।

श्री गजानन

द्वापर युग में राजा वरेण्य के यहां भगवान गणेश गजानन रूप में अवतरित हुए। चतुर्भुजी थे। नासिका के स्थान पर सूंड सुशोभित थी। मस्तक पर चंद्रमा तथा हृदय पर चिंतामणि दीप्तिमान थी। वे दिव्य गंध तथा दिव्य वस्त्राभारणों से अलंकृत थे। उनका उदर विशाल एवं उन्नत था, हाथ-पांव छोटे-छोटे और कर्ण शूर्पाकार थे। आंखें छोटी-छोटी थीं, गणेश जी का ऐसा विलक्षण मनोरम रूप था। इस अवतार में भगवान गणेश ने सिंदूर नामक दानव को उसकी सेना सहित परास्त किया था और उसे युद्ध भूमि में मार डाला। उस समय क्रुद्ध गजानन ने उस सिंदूर का रक्त अपने दिव्य अंगों पर पोत लिया, तभी से वे सिंदूरहा, सिंदूरप्रिय तथा सिंदूरवदन कहलाए।

महोत्कट विनायक

कृतयुग में भगवान गणपति 'महोत्कट विनायक' के नाम से प्रख्यात हुए। अपने महान उत्कट ओजशक्ति के कारण वे 'महोत्कट' नाम से विख्यात हुए, उन महातेजस्वी प्रभु के दस भुजाएं थीं, उनका वाहन सिंह था, वे तेजोमय थे। उन्होंने देवांतक तथा नरांतक आदि प्रमुख दैत्यों के संत्रास से संत्रस्त देव, ऋषि-मुनि, मनुष्यों तथा समस्त प्राणियों को भयमुक्त किया। देवांतक से हुए युद्ध में वे द्विदंती से एकदंती हो गए।

श्री धूम्रकेतु

श्री गणेश जी का कलियुगीय भावी अवतार धूम्रकेतु के नाम से विख्यात होगा। कलि के अंत में घोर पापाचार बढ़ जाने पर, देवताओं की प्रार्थना पर सद्धर्म के पुन: स्थापन के लिए वे इस पृथ्वी पर अवतरित होंगे और कलि का विनाश कर सतयुग की अवतारणा करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पहले भी हुई हैं, इस्लामाबाद मस्जिद हमले पर अफगानिस्तान ने किया पलटवार

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने इस्लामाबाद में एक मस्जिद पर हुए हमले के संबंध में पाकिस्तान के आरोपों को निराधार करार दिया है और पाकिस्तानी अधिकारियों से उनके आंतरिक सुरक्षा में कमी के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करने को कहा है। अफगानिस्तान का यह बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा एक्स पर किए गए पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने हमला के लिए अफगानिस्तान पर निशाना साधा था। अफगानिस्तान के एरियाना न्यूज के अनुसार, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि आसिफ ने उचित जांच किए बिना ही तुरंत और गैर-जिम्मेदाराना तरीके से हमले के लिए अफगानिस्तान को दोषी ठहराया। इस तरह की घटनाएं पहले भी हुई हैं। ऐसे हमलों को अफगानिस्तान से जोड़ना तर्कहीन और निराधार है। अफगानिस्तान ने कहा कि ये बयान पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा विफलताओं को छिपा नहीं सकते। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के सुरक्षा अधिकारियों से अपनी आंतरिक सुरक्षा कमियों की जिम्मेदारी लेने, नीतियों की समीक्षा करने और पड़ोसी देशों के प्रति रचनात्मक और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। गौरतलब है कि शुक्रवार को इस्लामाबाद के खदीजा अल-कुबरा मस्जिद में नमाज के दौरान आत्मघाती विस्फोट हुआ था।

मोरक्को में तूफान मार्टा से कम से कम 4 लोगों की मौत

रबात, एजेंसी। मोरक्को में तूफान मार्टा से कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई है। गौरतलब है कि देश बाढ़ से जूझ रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को बताया कि उत्तरी मोरक्को में तूफान के कारण आई अचानक बाढ़ में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। देश में कई दिनों से हो रही भारी बारिश और ओवरफ्लो हो चुके बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। राजधानी रबात से लगभग 270 किलोमीटर उत्तर में स्थित टेटुआन के पास एक गांव में कार के बह जाने से तीन बच्चों (2 से 14 वर्ष की आयु की एक लड़की और दो लड़के) और 30 वर्ष की आयु के एक व्यक्ति की मौत हो गई। गृह मंत्रालय ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से एक बयान में यह जानकारी दी है। एक अन्य व्यक्ति अभी भी लापता है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि वे इस घटना की जांच शुरू करेंगे। मोरक्को के मौसम विज्ञान महानिदेशालय के हुसैन युआबेद ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि मार्टा नामक तूफान के कारण अचानक बाढ़ आई, जो सप्ताहांत में मोरक्को में पहुंचा और उत्तरी शहरों में 92 मिमी तक बारिश हुई। तूफान मार्टा पड़ोसी देशों स्पेन और पुर्तगाल तक भी पहुंचा।

अनुतिन की पार्टी सबसे आगे लेकिन बहुमत से दूर

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के आम चुनाव में प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल की अगुवाई वाली भुमजैथाई पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन अपने दम पर सरकार बनाना उसके लिए मुश्किल दिख रहा है। शुरुआती नतीजों के मुताबिक, करीब 90 फीसदी मतगणना पूरी होने तक पार्टी को 500 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 195 सीटें मिली हैं।

ओलंपिक विरोध के दौरान हिंसा मेलनी बोलीं-ये इटली के दुश्मन

मिलान, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलनी ने मिलान विंटर ओलंपिक के विरोध में हुई हिंसा की कड़ी निंदा की है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को इटली का दुश्मन करार दिया। शनिवार रात मिलान में लगभग 10,000 लोग आवास और पर्यावरण के मुद्दों पर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर हमला किया स को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा।

जापान चुनाव में पीएम ताकाइची की बड़ी जीत

उनकी पार्टी एलडीपी ने 465 में से 316 सीटें जीतीं; मोदी-ट्रम्प ने बधाई दी

टोक्यो, एजेंसी। जापान में रविवार को हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री साने ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने बड़ी जीत दर्ज की है। ब्लूम्बर्ग के मुताबिक, एलडीपी के गठबंधन को 465 में से 352 सीटें मिली हैं। एलडीपी अकेले 316 सीटें जीती हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 233 सीटों से काफी ज्यादा हैं। यह पार्टी की अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक मानी जा रही है। इससे पहले 1986 में पार्टी ने 300 सीटें जीती थीं। चुनाव जीतने के बाद ताकाइची ने कहा कि वह जापान को मजबूत और समृद्ध बनाने पर काम करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो विपक्ष के साथ मिलकर काम करेंगी। इस जीत के बाद ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद पीएम ताकाइची को कानून पास करने की ताकत मिल गई है। ताकाइची की जीत पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने एम्स पोस्ट में लिखा- मुझे विश्वास है आपके कुशल नेतृत्व में हम भारत-जापान मित्रता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी साने ताकाइची को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ताकाइची अपने मजबूत और कंजरवेटिव एजेंडे में सफल हों।

ताकाइची ने चीन के खिलाफ रुख मजबूत किया: ताकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाते हुए सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है। उन्होंने खाद्य पदार्थों पर 8ज सेल्स टैक्स

को दो साल के लिए निलंबित करने का वादा किया है ताकि बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत मिले। रणनीतिक सलाहकार कंपनी एफजीएस ग्लोबल के मैनेजिंग डायरेक्टर सेइजी इनाडा के मुताबिक, 'अगर ताकाइची बड़ी जीत दर्ज करती हैं, तो उन्हें टैक्स में कटौती जैसे अहम फैसलों को लागू करने की आजादी मिलेगी।'

ट्रम्प बोले थे- ताकाइची शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता

डोनाल्ड ट्रम्प ने 5 फरवरी को एक पोस्ट में साने ताकाइची को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने ताकाइची को मजबूत, शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता कहा, जो अपने देश से सच्चा प्यार करती हैं और जापान के लोगों को निराश नहीं करेंगी। ट्रम्प ने बताया कि वह 19 मार्च 2026 को व्हाइट हाउस में ताकाइची से मुलाकात करेंगे। यह समर्थन जापान के 8 फरवरी 2026 के चुनाव से ठीक दो दिन पहले आया है। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान के किसी नेता को चुनाव में खुलकर समर्थन दिया है।

सोशल मीडिया पर साने ताकाइची का क्रेज बढ़ा: सोशल मीडिया पर साने ताकाइची को लेकर 'सानाकात्सु' नाम का ट्रेंड भी चर्चा में है। इसमें उनके इस्तेमाल किए गए सामान, जैसे हैंडबैग और संसद में इस्तेमाल किया जाने वाला गुलाबी पेन, युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। एक हालिया सर्वे में 30 साल से कम उम्र के 90ज से ज्यादा मतदाताओं ने ताकाइची के पक्ष में रुझान दिखाया, हालांकि यह वर्ग आमतौर पर कम मतदान करता है।

लोगों ने बर्फबारी की बीच वोट डाले: रविवार को मतदान के दौरान कई इलाकों में बर्फीले तूफान जैसे हालात रहे। परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, दर्जनों ट्रेन सेवाएं रोकी गईं और 230 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कई मतदान केंद्रों को समय से पहले बंद करना पड़ा। इसके बावजूद लोग बर्फ और कड़ाके की ठंड में मतदान के लिए पहुंचे। निजी अखबार निक्केई के अनुसार, मतदान खत्म होने से चार घंटे पहले तक टर्नआउट 21.6 प्रतिशत रहा, जो 2024 के चुनाव से 2.65 प्रतिशत अंक कम था।

पिछले कुछ चुनावों में लोअर हाउस का टर्नआउट करीब 55 प्रतिशत के आसपास रहा है। अगर इस बार मतदान और घटता है, तो संगठित वोटिंग ब्लॉक्स का असर और बढ़ सकता है। वोटिंग 289 सिंगल-सीट सीटों पर सीधे मुकाबले से होगी, जबकि बाकी सीटें प्रपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन से तय होंगी। यह चुनाव इसलिए खास है क्योंकि यह न केवल जापान की आंतरिक राजनीति को प्रभावित करेगा, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा, आर्थिक नीतियां और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी गहरा असर डालेगा। 2024 के चुनाव में एलडीपी को भारी नुकसान हुआ था और पूर्व प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा की सरकार अल्पमत में आ गई थी। उसके बाद 2025 में एलडीपी की प्रेसिडेंशियल इलेक्शन में ताकाइची ने जीत हासिल की और जापान इनोवेशन पार्टी के साथ गठबंधन बनाकर सरकार बनाया।

ताकत की भाषा बर्दाश्त नहीं... ईरानी राष्ट्रपति की ट्रंप को चेतावनी

पेजेश्कियन ने जोर देकर कहा कि ईरान को नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी (एनपीटी) के तहत यूरेनियम संवर्धन जारी रखने का पूरा अधिकार है।

तेहरान एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बढ़ते तनाव के बीच, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अमेरिका को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ईरान का सम्मान करें, क्योंकि देश ताकत की भाषा को बर्दाश्त नहीं करेगा।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच परमाणु वार्ता का दूसरा चरण ओमान में अगले सप्ताह होने वाला है। पेजेश्कियन ने जोर देकर कहा कि ईरान को नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी (एनपीटी) के तहत यूरेनियम संवर्धन जारी रखने का पूरा अधिकार है। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट किया, परमाणु मुद्दे पर हमारी सोच नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी में बताए गए अधिकारों पर आधारित है। ईरानी राष्ट्रपति ने हमेशा सम्मान का जवाब सम्मान से दिया है, लेकिन वह ताकत की भाषा बर्दाश्त नहीं कर सकता।

उन्होंने ओमान में हुई वार्ता को सकारात्मक कदम बताते हुए कहा कि उनका प्रशासन बातचीत के लिए तैयार है। अमेरिकी क्यों तैनात कर रहा सेना?

यह बयान खाड़ी में अमेरिकी सैन्य तैनाती में तेजी के बीच आया है।

डोनल्ड ट्रम्प प्रशासन ईरान के परमाणु कार्यक्रम और जनवरी के विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई को लेकर दबाव बढ़ा रहा है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्वीकार किया कि अमेरिका क्षेत्र में अपना सैन्य बेड़ा मजबूत कर रहा है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा, इस क्षेत्र में उनकी सैन्य तैनाती से हमें डर नहीं लगता। अमेरिका ने जनवरी के अंत में स्स अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर को अरब सागर में तैनात किया था। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, सैटेलाइट इमेज से पता चला कि दर्जनभर एफ-15 फाइटर जेट, एमक्यू-9 रीपर ड्रोन और ए-10सी थंडरबोल्ट सेकंड विमान जॉर्डन के मुवफ्फाक साल्टी एयर बेस पर पहुंचे हैं। इसके अलावा, यूएसएस डेल्बर्ट डी ब्लैक डिस्ट्रॉयर स्वेज नहर से लाल सागर की ओर बढ़ रहा है, जबकि एमक्यू-4सी ट्राइटन ड्रोन खाड़ी में निगरानी कर रहा है। पहले इ-11ए, पी-8 पोसाइडन और इ-3जी सेंट्री विमानों की मौजूदगी भी रिपोर्ट की गई थी। अमेरिकी सैन्य तैनाती के बावजूद, अराघची ने यूरेनियम संवर्धन छोड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध की धमकी से नहीं डरेगा। इतना जोर देते हैं और इसे छोड़ने से इनकार करते हैं, भले ही हम पर युद्ध थोप दिया जाए। इस सब के बीच अमेरिका ने ईरान में हुए विरोध प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार की कार्रवाई की निंदा की।

धांधली वाले चुनावों को ठीक करना होगा, ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव प्रणाली पर उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को अपने ट्रुथ सोशल पर कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि अमेरिकी चुनाव धांधली वाले हैं और देश को अपनी मतदान प्रणाली में सुधार करना होगा, नहीं तो अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने पोस्ट में कुछ कानूनी मांगों का जिक्र किया है और रिपब्लिकन से उनका समर्थन करने का आग्रह किया है। ट्रंप ने पोस्ट में सेव अमेरिका एक्ट कहे जाने वाले प्रस्तावों के लिए रिपब्लिकन समर्थन की मांग की, जो चुनाव प्रशासन में सुधार के लिए हैं। उन्होंने जिन प्रमुख सुधारों की मांग उठाई है, उनमें व्यक्तिगत तौर पर मतदान करने वाले लोगों के लिए अनिवार्य मतदाता पहचान-पत्र, मतदाता के तौर पर पंजीकरण के

लिए अमेरिकी नागरिकता के सुबूत की अनिवार्यता और मेल-इन वोटिंग को सिर्फ बीमारी, विकलांगता, सैन्य सेवा या यात्रा के मामलों तक सीमित करना शामिल है। ट्रंप ने इसे राष्ट्रीय अस्तित्व के मुद्दे के तौर पर पेश किया है। उन्होंने लिखा कि अमेरिकी चुनाव दुनियाभर में मजाक का पात्र बन गए हैं। या तो हम इन्हें ठीक करेंगे, या फिर हमारा देश नहीं बचेगा।

नौवीं के छात्र ने रूस में किया भारतीय छात्रों पर चाकू से हमला, गिरफ्तारी के दौरान पुलिस पर भी वार

मास्को, एजेंसी। रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य में एक विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के छात्रावास में शनिवार को चाकू से हमला स्थानीय स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले 15 वर्षीय छात्र ने किया था।

चाकू से लैस हमलावर ने बश्कोर्तोस्तान के ऊफा स्थित स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुसकर वहां रहने वाले छात्रों पर हमला किया था। इस हमले में चार भारतीयों समेत छह लोग घायल हो गए थे।

भारतीय छात्रों की हालत सुधरी

भारतीय मिशन ने रविवार को कहा कि इस हमले में घायल भारतीय छात्रों की हालत सुधर रही है। भारतीय मिशन ने कहा, वे स्वस्थ हो रहे हैं। हमारे काउंसलर अधिकारी ने अस्पताल में उनसे मुलाकात की और हास्टल में अन्य छात्रों से भी मिले। हम उनके साथ नियमित संपर्क में हैं।

हमला करने के बाद आत्महत्या करने की कोशिश

इस बीच बाश्कोर्तोस्तान की आधिकारिक समाचार एजेंसी बाशइंफार्म ने बताया कि गिरफ्तारी

का विरोध करते हुए हमलावर ने दो पुलिस अधिकारियों और हास्टल के गार्ड को भी घायल कर दिया। हमलावर किशोर ने आत्महत्या करने की कोशिश की और गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती है।

बश्कोर्तोस्तान के अभियोजक कार्यालय और संघीय जांच समिति की स्थानीय शाखा ने शैक्षणिक संस्थान के अधिकारियों के खिलाफ गंभीर लापरवाही का मामला दर्ज किया है। किशोर अपराध की रोकथाम के लिए संबंधित एजेंसियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

इस बीच, बश्कोर्तोस्तान के प्रमुख रेडी खबिरोव ने शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा को कड़ा करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। वह भारतीय दूतावास और पीड़ितों के रिश्तेदारों के साथ संपर्क में हैं। शनिवार को एक चैनल ने दावा किया था कि हमलावर एक प्रतिबंधित नियो-नाजी संगठन एनएस/डब्ल्यूपी नियो-नाजी संगठन से संबंधित है।

लेबनान में जर्जर इमारत ढहने से 5 लोगों की मौत, मलबे में अभी भी दबे हैं लोग

त्रिपोली, एजेंसी। उत्तरी लेबनान के त्रिपोली में रविवार को हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई। यहां एक पुरानी जर्जर इमारत अचानक गिर गई।

जिससे वहां रह रहे लोग उसकी चपेट में आ गए। हफ्ते भर में इस तरह की यह दूसरी घटना है। घटनास्थल पर फिलहाल बचाव दल बचे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं।

सरकारी नेशनल न्यूज़ एजेंसी ने त्रिपोली के बाब अल-तब्बानेह इलाके में एक पुरानी बिल्डिंग के गिरने की खबर दी थी, जो इस गरीब शहर का सबसे गरीब इलाका है। एजेंसी ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने और बिल्डिंग गिरने के डर से आस-पास की इमारतों को खाली करा लिया है।

अब तक आठ लोगों को बचाया गया है, जबकि पांच शव बरामद किए गए हैं, जिनमें एक बच्चा और एक बुजुर्ग महिला शामिल हैं। सिविल डिफेंस प्रमुख इमाद ख़ीश ने स्थानीय मीडिया को बताया कि बिल्डिंग में दो ब्लॉक थे, जिनमें से हर एक में छह अपार्टमेंट थे।

राष्ट्रपति जोसेफ औन के कार्यालय के एक बयान में कहा गया, इमरजेंसी सेवाओं से रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद करने और बिल्डिंग के निवासियों और एहतियात के तौर पर खाली कराई गई पड़ोसी इमारतों के लोगों को आश्रय देने के लिए तैयार रहने का अनुरोध किया है।

लेबनान में जर्जर इमारतों की समस्या: लेबनान में कई पुरानी और टूटी-फूटी इमारतें हैं। इनमे से कई बहुत खराब हालत में हैं। कई इमारतें अवैध रूप से बनाई गई थीं, खासकर 1975-1990 के गृह युद्ध के दौरान, जबकि कुछ मालिकों ने बिना परमिट के मौजूदा अपार्टमेंट ब्लॉक में नई मंजिलें जोड़ दी हैं।

2024 में, राइट्स ग्रुप एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बताया था कि तुर्की और पड़ोसी सीरिया में आए भूकंप से इमारतों के कमजोर होने के एक साल से ज्यादा समय बाद भी त्रिपोली में हजारों लोग अभी भी असुरक्षित इमारतों में रह रहे हैं।

एपस्टीन फाइल्स: दुनिया भर में कई इस्तीफे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कुख्यात सेक्स अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज जैसे-जैसे सामने आ रहे हैं, दुनिया भर में हलचल तेज हो गई है।

इन खुलासों में पैसों की लेन-देन, सोशल संपर्क और निजी मुलाकातों से जुड़ी जानकारी है। हजारों ईमेल्स, फोटो और वीडियो में एपस्टीन और उससे जुड़े लोगों के काले कारनामे का खुलासा हो रहा है।

इसी वजह से दुनियाभर में कई ऊंचे पदों पर बैठे लोग दबाव में आकर इस्तीफा दे रहे हैं। हाल ही में ब्रिटेन और नोर्वे में भी कई हस्तियों ने इस्तीफा दिया है। इन खुलासों के बाद ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा। मॉर्गन पर दबाव इसलिए बढ़ा क्योंकि उन्होंने पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाने की सलाह दी थी। मॉर्गन ने अब माना कि उनकी यह सलाह गलत थी, इसी की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

इस कड़ी में नॉर्वे में भी कई बड़े नेताओं ने इस्तीफा दिया। विदेश मंत्रालय के मुताबिक वरिष्ठ राजनयिक मोना जूल भी एपस्टीन से संबंधों के चलते जल्द ही पद छोड़ेंगी।

66 साल की मोना इससे पहले नॉर्वे की सरकार में मंत्री रह चुकी हैं, साथ ही इजरायल, ब्रिटेन और यूएसए में नॉर्वे की राजदूत भी रह चुकी हैं।

एपस्टीन फाइल्स का सबसे भयानक असर अमेरिका में दिखा. फरवरी 2026 में, ब्रैड कार्प ने एक प्रमुख लॉ फर्म के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि उनके एपस्टीन से ईमेल संपर्क उजागर हो गए थे।

दिसंबर 2025 में, एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर डैन बोंजिनो ने भी विवाद के बीच अपना पद छोड़ दिया। हालांकि उनके मामले में सीधे संबंध साबित नहीं हुए, लेकिन फाइलों से जुड़े विवाद ने उन पर दबाव बढ़ा दिया। यूरोप में एपस्टीन फाइल्स का प्रभाव स्पष्ट रूप से नजर आया। फ्रांस के पूर्व मंत्री जैक लैंग ने एक सांस्कृतिक संस्थान के प्रमुख पद से इस्तीफा दिया। स्लोवाकिया में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मिरोस्लाव लाजचाक ने ईमेल विवाद के बाद अपना पद छोड़ दिया।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को ईरान ने साढ़े सात साल की सजा सुनाई

तेहरान एजेंसी। ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को साढ़े सात की सजा सुनाई है। इसके बाद एक बार फिर उनकी चर्चा हो रही है। ईरानी सरकार और नरगिस मोहम्मदी के बीच पिछले कई दशकों से संघर्ष चला आ रहा है।

उनके वकील का कहना है कि इस सजा ने ईरानी अधिकारियों के साथ दशकों से चल रही उनकी लड़ाई को और आगे बढ़ा दिया। तो आइए जानते हैं कि...

कौन हैं नरगिस मोहम्मदी?: 53 साल की नरगिस मोहम्मदी एक जानी-मानी ईरानी मानवाधिकार कार्यकर्ता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता हैं, जो ईरान में महिलाओं पर होने वाले अत्याचार और राजनीतिक दमन के खिलाफ अभियान चलाने के लिए जानी जाती हैं। ईरानी

अधिकारी उन पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने और राज्य के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप लगाते हैं। वहीं वह और उनके समर्थक इन आरोपों से इनकार करते हैं और कहते हैं कि उन्हें शांतिपूर्ण एक्टिविज्म के लिए सजा दी जा रही है। नरगिस एक इंजीनियर और लेखिका के साथ-साथ मानवाधिकार रक्षक केंद्र (डीएचआरसी) की उपाध्यक्ष भी हैं। डीएचआरसी की स्थापना नोबेल पुरस्कार विजेता शिरीन एबादी ने की थी। उन्होंने बीते एक दशक का ज्यादातर समय जेल में बिताया है। नरगिस फाउंडेशन का कहना है कि इस नए फैसले के बाद उनके खिलाफ कुल जेल की सजा 44 साल हो गई है। 2021 से वह राष्ट्रीय सुरक्षा के आरोपों में 13 साल की सजा काट रही हैं।

उन्हें 2023 में ईरान में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ लड़ाई और सभी के लिए मानवाधिकार और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। जब वह तेहरान जेल में बंद थीं, तब उनके बच्चों ने ये पुरस्कार लिया था। नरगिस मोहम्मदी को 12 दिसंबर, 2025 को मशहद में मानवाधिकार वकील खोसरो अलीकोर्डी के लिए आयोजित की गई शोक सभा से गिरफ्तार किया गया था। उनके ऊपर भड़काऊ बयानबाजी, नियम तोड़ने वाले नारे और शांति भंग करने के आरोप लगाए गए।

टीम ने इस वर्ल्डकप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, जॉर्ज मुन्से का अर्धशतक

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया

कोलकाता। स्कॉटलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। सोमवार को ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने डेब्यू कर रही इटली टीम को 73 रन से शिकस्त दी।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा।

टारगेट का पीछा करते हुए इटली की टीम 17.4 ओवर में 9 विकेट खोकर 134 रन ही बना सकी। इटली के कप्तान वेन मैडसेन कंधे में चोट के कारण बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं उतर सके। स्कॉटलैंड की पारी की नींव मुन्से और जोन्स के बीच पहले विकेट के लिए हुई 126 रन की शानदार साझेदारी ने रखी। इटली की ओर से गेंदबाजी में ग्रांट स्टीवर्ट, अली हसन, थॉमस ड्राका और जेजे स्मट्स को एक-एक विकेट मिला। क्योंकि कप्तान वेन मैडसेन चोट के कारण बल्लेबाजी करने मैदान पर नहीं उतर सके। इटली की टीम 134 रन पर समाप्त हो गई। व्हील ने ओवर की चौथी गेंद ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट डाली। अली हसन ने इस पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन बल्ले का सही संपर्क नहीं हो सका और गेंद हवा में ऊपर चली गई, जहां आसान कैच लपका गया। अली हसन 2 गेंदों का सामना कर बिना खाता खोले आउट हुए।

लीस्क ने एक ओवर में दो विकेट झटके

माइकल लीस्क ने शानदार गेंदबाजी करते हुए एक ही ओवर में दो विकेट लेकर इटली को मुश्किल में डाल दिया। उन्होंने 15वें ओवर की पहली गेंद पर ग्रांट स्टुअर्ट को आउट किया। इसके बाद उसी ओवर की चौथी गेंद पर जियान पिएरो मीडे को भी पवेलियन भेज दिया। लीस्क के इस डबल स्ट्राइक से इटली की पारी दबाव में आ गई और स्कॉटलैंड ने मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया

इटली की पारी 17वें ओवर की चौथी गेंद पर समाप्त हो गई। स्कॉटलैंड ने यह मुकाबला 73 रन से जीत लिया। ब्रैड व्हील ने अली हसन को आउट कर इटली को नौवां झटका दिया, जिसके बाद पारी यहीं खत्म हो गई,

लीस्क का ऑलराउंड परफॉर्मेंस

स्कॉटलैंड की जीत में ओपनर जॉर्ज मुन्से की अर्धशतकीय पारी अहम रही। मुन्से ने 84 रन बनाए, जबकि उनका विकेट ग्रांट स्टीवर्ट ने लिया, जो इटली के टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का पहला विकेट भी रहा। इटली की टीम इस टूर्नामेंट के जरिए पहली बार वर्ल्ड कप में उतरी है। मुन्से के अलावा ब्रैंडन मैकमुलेन ने नाबाद 41 रन बनाए और माइकल जोन्स ने 37 रन का योगदान दिया। वहीं, माइकल लीस्क ने महज 5 गेंदों पर नाबाद 22 रन ठोके और गेंदबाजी में भी 4 विकेट झटके।

मैनेंटी ब्रदर्स के बीच अर्धशतकीय साझेदारी

इटली के लिए बेन मैनेंटी (28 साल) ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 31 बॉल पर 52 रन बनाए। उनके अलावा उनके छोटे भाई हैरी मैनेंटी (25 साल) ने 37 रन की पारी खेली। दोनों भाइयों के बीच चौथे विकेट 46 बॉल पर 73 रन की पार्टनरशिप हुई। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लीस्क ने 4 विकेट झटके। मार्क वॉट ने 2 विकेट लिए। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील और ओलिवर डेविडसन को 1-1 विकेट मिला।

ट्रम्प ने वर्ल्डकप के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी

मुंबई। भारत में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी क्रिकेट टीम का उत्साह बढ़ाया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि पूरा देश टीम [illegible] का समर्थन कर रहा है। उन्होंने लिखा,'मुझे अभी पता चला कि भारत में क्रिकेट वर्ल्ड कप चल रहा है! मैं टीम [illegible] को शुभकामनाएं देता हूं। हमारी टीम बहुत मजबूत है और पूरा अमेरिका आपके साथ है।' भारत में अमेरिकी राजदूत ने जताया आभार ट्रम्प के इस संदेश पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए लिखा,'काइंड वर्ड्स के लिए धन्यवाद मिस्टर प्रेसिडेंट।' ट्रम्प के इस बयान को अमेरिका में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि अमेरिका में क्रिकेट अभी भी अपनी पहचान बना रहा है, लेकिन ग्लोबल स्टेज पर टीम के प्रदर्शन ने सबका ध्यान खींचा है। वानखेड़े में भारत ने [illegible] को हराया, सूर्या ने खेली 84 रनों की पारी मैदान की बात करें तो, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने अमेरिका को 29 रनों से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 161/9 का स्कोर बनाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों पर नाबाद 84 रनों की शानदार पारी खेली। ईशान किशन और तिलक वर्मा ने भी उपयोगी योगदान दिया। अमेरिका की ओर से शैडली वान शल्कविक (4/29) और हरमीत सिंह (2/26) ने बेहतरीन गेंदबाजी की।

ब्रीफ न्यूज

विश्वकप में भाग लेने नहीं मैच जीतने आयी है नेपाल टीम : पौडेल

मुम्बई । इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा है कि उनकी टीम विश्वकप में एक या दो टीमों को हराने का प्रयास करेगी। नेपाल का पहले टी20 मैच में अंतिम ओवर में केवल चार रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से ही टीम के हौसले बुलंद हैं। टीम दो बार के विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हराने के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम ओवर में वह जीत के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। पोडेल के अनुसार उनकी टीम का लक्ष्य हर मैच में जीत के इरादे से उतरना रहेगा। जिस प्रकार से टीम का पहले मैच में प्रदर्शन रहा है उससे उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है।

इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में नेपाल पर बड़ी मुश्किल से केवल 4 रनों से जीत हासिल की। इस मुकाबले में उलटफेर की संभावनाएं तेज थीं पर। गेंदबाज सेम करन ने अंतिम ओवर में टीम को जीत दिला दी। इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में नेपाल की टीम छह विकेट पर 180 रन ही बना पायी।

कप्तान पौडेल ने कहा, 'खिलाड़ियों ने पहले ही मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर बहुत गर्व है। जब हम इस विश्व कप में आए थे तभी ये ठानकर आए थे कि हम यहां सिर्फ हिस्सा लेने नहीं आए बल्कि हमारा लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। . हमने हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। अंतिम ओवर में हालांकि हम सफल नहीं रहे। .'

लोकेश बाम ने 20 गेंद में नाबाद 39 रन बनाकर टीम की उम्मीदें बनाये रखीं थीं। अंतिम ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की जरुरत थी पर वह चौका, छक्का नहीं लगा पाये। करन ने अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर फेंकीं और नेपाल की टीम केवल पांच रन ही बना पाई. लेकिन फिर भी 17,000 से ज्यादा प्रशंसक वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने नेपाल को अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते देखा.

जिम्बाब्वे ने ओमान को 8 विकेट से हराया

ब्रायन बेनेट ने नाबाद 41रन बनाए; मुजरबानी, नगारवा और इवांस को 3-3 विकेट

कोलंबो । जिम्बाब्वे ने टी-20 वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने सोमवार के दूसरे मैच में ओमान को 8 विकेट से हराया। इसी के साथ टीम ग्रुप बी की पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है। श्रीलंका दूसरे नंबर पर है। कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ओमान पहले बैटिंग करते हुए 19.5 ओवर में 103 रन पर ऑलआउट हो गई।104 रन का टारगेट जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। ओपनर ब्रायन बेनेट 36 बॉल पर 48 रन की पारी खेली। इस पारी में 7 चौके शामिल रहे। ब्रेंडन टेलर 31 रन पर रिटायर हर्ट हो गए। तदिवानाशे मारुमनी ने 21 रन बनाए। सुफियान टेलर ने 2 विकेट झटके। 13वें ओवर में जिम्बाब्वे ने 100 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया है। टीम जीत से 4 रन दूर है। ब्रायन बेनेट इस ओवर में रिटायर हर्ट हो गए। नदीम खान के ओवर में 3 चौके लगाए 11वें ओवर में ब्रायन बेनेट ने नदीम खान के ओवर में 3 चौके लगाए। उन्होंने दूसरी और तीसरी बॉल को बाउंड्री के बाहर पहुंचाया। जबकि, आखिरी बॉल पर ब्रैंडन टेलर ने बाउंड्री लगाई। टेलर्स ने रामानंदी की बॉल पर चौका लगाया 9वें ओवर में ब्रेंडन टेलर ने जितेन रामानंदी की आखिरी बॉल पर चौका लगाया। रामानंदी के इस ओवर से 9 रन आए।

टी-20 वर्ल्ड कप

मुजरबानी प्लेयर ऑफ द मैच

जिम्बाब्वे 8 विकेट से जीता, ग्रुप-बी के टॉप पर आया 14वें ओवर की तीसरी बॉल पर जिम्बाब्वे ने 104 रन का टारगेट चेज कर लिया है। कप्तान सिकंदर रजा ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। जिम्बाब्वे का स्कोर 100 रन पहुंचा, बेनेट-टेलर नाबाद

अर्जुन कुच्छल ने श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ ट्रॉफी जीती

जयपुर । अर्जुन कुच्छल ने यहां आयोजित श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप 2026 में ओवरऑल ग्रॉस विनर रोलिंग ट्रॉफी जीती है। इस गोल्फ टूर्नामेंट में भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव, पूर्व क्रिकेटर मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित करीब 143 गोल्फर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों और हैंडीकैप कैटेगरी के विजेताओं एवं उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कई क्षेत्रों से जुड़े गोल्फरों ने भाग लिया। प्रतियोगिता स्टेबलफोर्ड- सिंगल पियोरिया फॉर्मेट में खेली गई। हैंडीकैप श्रेणियों में उपविजेता के रूप में 0-9 कैटेगरी में दीप करन सिंह, 10-18 कैटेगरी में योगेंद्र सिंह, तथा 19-24 कैटेगरी में योगेंद्र गोटेवाल रहे। वहीं हैंडीकैप श्रेणियों में विजेताओं में 0-9 कैटेगरी में हिमांशु सिंह, 10-18 कैटेगरी में देवेंद्र राजावत, तथा 19-24 कैटेगरी में अंकुर ठाकुर शामिल रहे। वेटरन गोल्फर अवॉर्ड डॉ. बसंत खेतान ने जीता जबकि लेडी गोल्फर का खिताब विम्मी भाटिया को मिला। इस अवसर पर कपिल देव ने कहा गोल्फ के प्रति इतना उत्साह और सभी प्रतिभागियों में खेल भावना देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है। श्री पी. एम. रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप जैसे आयोजन न केवल खेल को बढ़ावा देते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक मंच पर भी लाते हैं। मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं और आने वाले वर्षों में इस टूर्नामेंट को और आगे बढ़ते देखने के लिए उत्साहित हूं।

कपिल देव, मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित 143 गोल्फर टूर्नामेंट में शामिल हुए

आईसीसी ने पीसीबी की शर्तों को मानने से इंकार किया

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की उन शर्तों को खारिज कर दिया है जो उसने भारत के साथ मैच खेलने के लिए रखीं थीं। इससे अब 15 फरवरी को भारत और पाक के बीच मैच होने की संभावनाएं कम हो गयी हैं। आईसीसी ने पीसीबी की मांगों को मानने से साफ मना कर दिया। पीसीबी ने आईसीसी के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज़ को फिर से शुरू करने की ठोस गारंटी। दूसरी आईसीसी की कुल कमाई में पाकिस्तान के हिस्से को बढ़ाने की मांग। तीसरी और अहम मांग यह थी कि भविष्य में हाथ न मिलाने जैसे घटनाक्रम दोबारा न हों और इसके लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल तय किया जाए। इसके अलावा पीसीबी ने बांग्लादेश के लिए मुआवज़ा और भविष्य के आईसीसी इवेंट्स की मेजबानी से जुड़े मुद्दे भी उठाए ।आईसीसी ने इन मांगों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हालांकि परिषद ने यह आश्वासन ज़रूर दिया कि बांग्लादेश को आईसीसी राजस्व में उसका पूरा हिस्सा मिलेगा, लेकिन किसी भी तरह के अतिरिक्त मुआवज़े से साफ इंकार किया गया। आईसीसी के डिप्टी चेयर इमरान ख्वाजा ने पीसीबी से कहा कि यदि वे असंतुष्ट हैं, तो आर्बिट्रेशन कमेटी या आईसीसी बोर्ड मीटिंग में औपचारिक रूप से यह मुद्दा उठाएं। अब गेंद पाकिस्तान सरकार के पाले में है। पीसीबी प्रमुख चीफ मोहसिन नकवी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ से मुलाकात कर बहिष्कार हटाने की सिफारिश कर सकते हैं।

साउथ अफ्रीका ने कनाडा को 57 रन से हराया

मार्करम की फिफ्टी, एनगिडी ने 4 विकेट झटके

अहमदाबाद। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के 9वें मैच में कनाडा को 57 रन से हरा दिया है। यह अफ्रीकी टीम की पहली जीत है। इस जीत के साथ टीम ग्रुप डी के पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कनाडा ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 213 रन बना दिए। यह मौजूदा टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर है। साउथ अफ्रीका के कप्तान ऐडन मार्करम ने 32 बॉल पर 59 रन की पारी खेली। डेविड मिलर ने 39 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 34 रन बनाए। कनाडा के अंश पटेल ने 3 विकेट लिए।

जवाब में कनाडा 20 ओवर के बाद 8 विकेट के नुकसान पर 156 रन तक ही पहुंच सकी है। नवनीत धालीवाल ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए। हर्ष ठाकर ने 33 रन का योगदान दिया। अफ्रीकी टीम से लुंगी एनगिडी ने 4 विकेट झटके। मार्को यानसन को 2 और कागिसो रबाडा को एक विकेट मिला। मैच का स्कोरबोर्ड 20वें ओवर से 20 रन आए, एक विकेट भी मिला कनाडा की पारी के 20वें ओवर से 6 रन आए। कॉर्बिन बॉश ने ओवर की पहली बॉल पर नवनीत धालीवॉल को 64 रन बनाए। धालीवाल ने रबाडा के ओवर में लगातार 2 चौके लगाए नवनीत धालीवाल ने 19वें ओवर में कगिसो रबाडा की बॉल पर लगातार दो चौके लगाए। उन्होंने पहली और दूसरी बॉल को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाया। इसी ओवर में कनाडा की टीम 150 रन के स्कोर तक भी पहुंच गई।

लीवरपूल में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए लिवरपूल और मैनचेस्टर के खिलाड़ी।

एमपी को हराया, कर्नाटक ने 42 बार की चैंपियन मुंबई को बाहर किया, केएल राहुल का शतक

जम्मू-कश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल

रणजी ट्रॉफी 2025-26 के तीन क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के रिजल्ट आ चुके हैं। जम्मू कश्मीर ने इतिहास रचते हुए मध्य प्रदेश को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। वहीं, कर्नाटक की टीम ने मुंबई को हराकर सेमीफाइनल में एंट्री की है। टीम इंडिया के स्टार ओपनर केएल राहुल ने बेहतरीन शतक जड़ा और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने।

क्वार्टर फाइनल-1: उत्तराखंड 1S झारखंड

जमशेदपुर में पहले बैटिंग करने उतरी होम टीम 235 रन ही बना सकी। आदित्य सिंह ने 83 रन बनाए। उत्तराखंड ने अवनीश सुधा, कप्तान कुणाल चंदेला और जगदीश सुचित की फिफ्टी के दम पर 371 रन बना दिए। तीसरे दिन झारखंड 130 रन ही बना सका। इसी के साथ उत्तराखंड ने पारी और 6 रन से मुकाबला जीत लिया। टीम ने पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में एंट्री की है।

क्वार्टर फाइनल-4: कर्नाटक 1एस मुंबई

मुंबई और कर्नाटक के बीच हुए मुकाबले की पहली पारी में मुंबई की टीम 120 रन पर ही सिमट गई थी। उसके बाद कर्नाटक भी दूसरी पारी में कुछ खास रन नहीं बना पाई और 173 पर ऑलआउट हो गई। उसके बाद मुंबई ने दूसरी पारी में वापसी करते हुए 377 रन बनाए और कर्नाटक के सामने 325 रन का टारगेट रखा।

केएल राहुल ने कर्नाटक के लिए 130 रन की पारी खेली। उसके बाद स्मरण रविचंद्रन ने नाबाद 82 रन बनाते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया। कर्नाटक ने 6 विकेट गंवाकर 325 रन का टारगेट हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बना ली। केएल राहुल को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

क्वार्टर फाइनल-2: जम्मू-कश्मीर 1एस मध्य प्रदेश

जम्मू-कश्मीर की टीम ने इतिहास रचते हुए क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश को 56 रन से हराया। पहली बार जम्मू-कश्मीर की टीम ने रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैच में आकिब नबी ने पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर कुल 12 विकेट मैच में झटके। इस खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। इंदौर के होलकर स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए जम्मू-कश्मीर 194 रन पर ऑलआउट हो गया। शुभम खजुरिया ने 60 और युद्धवीर सिंह चरक ने 41 रन बनाए। कुलदीप सेन ने 5 विकेट लिए। मध्य प्रदेश अपनी पहली पारी में 152 रन पर ही सिमट गया। यश दुबे ने फिफ्टी लगाई। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 40 रन देकर 7 विकेट लिए। सुनील कुमार को 3 विकेट मिले।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत टेमरी एवं अमोरा ग्राम में स्वच्छता व्यवस्थाओं का निरीक्षण

मूक पत्रिका/बेमेतरा- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत राज्य सलाहकार रूपेश राठौर एवं श्रीमती अभिलाषा आनंद द्वारा विकासखंड नवागढ़ के गोद ग्राम टेमरी, जिला बेमेतरा में स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का स्थल निरीक्षण किया गया। इस दौरान ग्राम में निर्मित सेग्रीगेशन शेड, कचरा संग्रहण व्यवस्था तथा सामुदायिक शौचालय का अवलोकन कर उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान ग्राम में संचालित स्वच्छता गतिविधियों के संबंध में सरपंच, सचिव एवं स्वच्छता दीदियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण एवं स्वच्छता व्यवस्था के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की जानकारी लेकर उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही, घर-घर कचरा संग्रहण कार्य को और अधिक प्रभावी एवं नियमित बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

राज्य सलाहकारों द्वारा स्वच्छता से जुड़े जमीनी कार्यों में संलग्न स्वच्छता दीदियों को प्रोत्साहित करते हुए स्वच्छता को जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर सतत निगरानी एवं सामुदायिक सहभागिता से ही स्वच्छ एवं स्वस्थ गांव की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

इसके पश्चात ग्राम अमोरा में स्थित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्लास्टिक कचरे के संग्रहण, छंटाई एवं निस्तारण की प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए यूनिट के संचालन को और सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक सुझाव दिए गए। इस निरीक्षण का उद्देश्य ग्रामों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना, कचरा प्रबंधन प्रणाली को प्रभावी बनाना तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करना रहा।

सरिया पुलिस की सफलता : फरार चल रहे गांजा खरीददार महिला हुई गिरफ्तार..

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़// जिले में अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सरिया पुलिस ने फरार चल रही गांजा खरीददार महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रमोद यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

मामला पिछले महीने 7 जनवरी 2026 का है, जब सरिया थाना के सामने मेन रोड पर घेराबंदी कर पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक छ्त्त 11 ब्त्त 4857 से उड़ीसा से गांजा ला रहे दो आरोपियों रमा कुमार खांडे और अजय दिवाकर, दोनों निवासी जांजगीर-चांपा, को पकड़ा गया था। उनके कब्जे से 7 किलो 250 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

विवेचना के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे उड़ीसा से गांजा लाकर सहोद्रा डहरिया को बेचते थे, जो आगे इसकी बिक्री करती थी। इसके बाद से सहोद्रा डहरिया फरार चल रही थी। लगातार तलाश के बाद 10 फरवरी को पुलिस ने उसे ग्राम अमरताल, थाना अकलतरा, जिला जांजगीर-चांपा से पकड़ लिया। पूछताछ में उसने पहले से गिरफ्तार आरोपी रमाकांत से गांजा खरीदकर बिक्री करना स्वीकार किया। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी का नाम सहोद्रा डहरिया, उम्र 29 वर्ष, निवासी अमरताल, थाना अकलतरा, जिला जांजगीर-चांपा है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, सउनि सुमन चौहान, प्रधान आरक्षक सुरेंद्र सिदार, आरक्षक नरेंद्र चंद्रा, महिला आरक्षक प्रीति खड़िया, साइबर सेल प्रभारी रामकुमार मानिकपुरी, कृष्णा डनसेना, दीपक मैत्री सहित पुलिस स्टाफ की अहम भूमिका रही।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से दाम्पत्य बंधन में बंधे 200 जोड़े

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़, 10 फ़रवरी 2026/ मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत कृषि उपज मंडी प्रांगण सारंगढ़ में 200 जोडों ने सामूहिक विवाह का किया। अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, कलेक्टर सहित जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी, पालक ने वर वधू को आर्शीवाद प्रदान किया। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सभी वर वधु को विवाह की बधाई और शुभकामनायें देते हुए कहा कि, यह शुभ घड़ी है। सभी वैवाहिक जीवन में खुश रहें, खुशहाल रहें। भगवान सबका कल्याण करें। 200 जोड़े विवाह के बंधन में बंधे हैं। समाज में विवाह के खर्च ज्यादा है, वहीं मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह से राज्य सरकार जिले के सभी पात्र वर वधु को विवाह के बंधन में बंधने के लिए अवसर देता है। कलेक्टर ने 50 हजार रूपये में से 35 हजार की राशि का प्रतीकात्मक चेक वर वधुओं को प्रदान किया, जो उनके बैंक खाता में शासन द्वारा दिया जाएगा।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे के हाथों स्कूली बच्चों ने खायी फाइलेरिया की दवा

10 से 25 फ़रवरी तक चलाया जाएगा हाथीपांव उन्मूलन अभियान

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़, 10 फ़रवरी 2026/ कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के हाथों पीएमश्री स्कूल सारंगढ़ में विद्यार्थियों को फाइलेरिया (हाथी पांव) रोग से बचने के लिए उनके उम्र और ऊचाई के आधार पर दवा वितरण किया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ निराला सहित स्वास्थ्य अमला और स्कूल के शिक्षक और विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

फाइलेरिया याने हाथीपांव की बीमारी एक परजीवी के कारण होता है जिसे मादा क्यूलेक्स मच्छर के द्वारा फैलाया जाता है। हाथीपांव की बीमारी के परजीवी जब सूक्ष्म रूप में होता है तभी उसे नष्ट कर सकते है। जवान होने की स्थिति में इसे समाप्त नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि परजीवी को नष्ट करने के लिए पूरे समुदाय को आईडीए की दवाई खिलाई जाती है। परजीवी के बड़े होने की स्थिति में मानव शरीर के लासिका तंत्र को बाधित करता है, परिणाम स्वरूप पैरों में सूजन होती है। एक बार पैर में सूजन हो जाने के बाद इसे ठीक नहीं किया जा सकता है। इसलिए फाइलेरिया होने के पहले ही जब सूक्ष्म रूप में परजीवी होता है तब उसे मारा या नष्ट किया जा सकता है। यही कारण है कि समुदाय को एक साथ दवाई खिलाई जाती है। फाइलेरिया या हाथीपांव उन्मूलन का यह अभियान 10 फ़रवरी से 25 फ़रवरी तक चलाया जाएगा। आंगनवाड़ी केंद्रों, शालाओं, कार्यालयों को बूथ बनाया गया है। लक्षित व्यक्तियों को दवाई खिलाएंगे। इस दवाई को सामने ही खिलाना होता है। कई लोग बाद में खा लेंगे दवाई दे दीजिए कहकर दवा लेते हैं, लेकिन दवा नहीं खाते है जो बीमारी होने पर उनके लिए ही जिंदगी भर सहना पड़ेगा। फाइलेरिया की दवा पूर्णतः सुरक्षित है। कुछ लोगों को सिर दर्द ,बदन दर्द ,पेट में दर्द की शिकायत होती है, जो शरीर मे माइक्रोफाइलेरिया या कृमि के परजीवी होने के कारण हो सकता है। दवाई खाने के बाद परजीवी मरता है। परिणाम स्वरूप रिएक्शन होता है। ये साइड इफेक्ट दिखता है। कोई भी गोली खाने से जी मिचलाता है। विशेष परिस्थिति के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी की रैपिड रिस्पॉन्स टीम की गठन भी की गई है। परेशानी होने पर 104 पर भी फोन करके परामर्श ली जा सकती है। बूथ में और घर में दवाई नहीं खा पाएंगे उन्हें मापअप राउंड चला कर छुटे हुए लोगों को खोज खोज कर आईडीए की दवाई खिलाई जाएगी। एलबेंडाजोल की गोली को वर्ष में 2 बार अगस्त और फरवरी में दी जाती है, लेकिन फाइलेरिया नाशक दवाई की वर्ष में एक बार ही दी जानी होती है। तीनों दवाई की कंपोजिशन इस बीमारी को नष्ट करने में सहायक है। स्कूल के बच्चो की टीएएस एक प्रकार की जांच है, जिससे पता लगाया जाता है बच्चे में फाइलेरिया के परजीवी है कि नहीं। समुदाय को फाइलेरिया रोधी दवाई खाना जरूरी हो गया है।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव का एक दिवसीय कार्यक्रम हाई स्कूल प्रांगण जांता में

बेमेतरा दाढ़ी:- ग्राम जांता में संकुल केन्द्र जांता के नेतृत्व में आयोजित समस्त विद्यालयों द्वारा कैबिनेट व स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव जी का एक दिवसीय स्कूल उन्नयन कार्यक्रम का भव्य आयोजन रखा गया हैं, मंत्री जी का स्वागत हेतु संपूर्ण तैयारी संकुल केंद्र जांता द्वारा कर लिए हैं और संकुल नोडल प्राचार्य व हाई स्कूल के प्राचार्य बी पी पटेल ने जानकारी साझा किया है कि कल दिनांक 11 फरवरी दिन बुधवार को हमारे शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव जी का दोपहर 1:00 बजे हाई स्कूल प्रांगण जांता में आगमन होने जा रहा है जिसमें संकुल केंद्र जांता के अंतर्गत आने वाले समस्त शासकीय व अशासकीय विद्यालय एवं 100 सीटर कन्या छात्रावास के विद्यार्थियों सहित शिक्षकों, व अभिभावकों को सादर आमंत्रित किए हैं व सभी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सफल बनाने के लिए योजना बनाया गया है उक्त कार्यक्रम में समस्त ग्राम पंचायत जांता व आसपास के अभिभावकोंनागरिकको सादर आमंत्रित किए हैं।

कलेक्टर ने रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए

15 दिवस में एकबार अधिकारियों को मैदानी क्षेत्र में रूककर कार्य करने कलेक्टर के निर्देश

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने की प्रगतिरत सभी कार्यों की समीक्षा

अधीनस्थ कर्मियों को पीएम श्रम योगी और एनपीएस योजना से जोड़ने, कलेक्टर का अधिकारियों को निर्देश

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़, 10 फरवरी 2026/कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में जिले के प्रगतिरत कार्यों, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन और अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदन पत्रों के निराकरण का समीक्षा कलेक्टोरेट सभाकक्ष में किया। बैठक की शुरूआत में कलेक्टर ने कहा कि मुख्य सचिव की बैठक में दिए गए निर्देश का पालन सभी अधिकारी प्राथमिकता से करें। बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ें। निर्धारित दिवस में मैदानी कार्य का जायजा लें और 15 दिवस में एक दिन मैदानी क्षेत्र में कार्य करते हुए वहां रात्रि विश्राम करें। सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी कार्यालय समय में बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें।

जिले में महानदी किनारे अवैध रेत उत्खनन, भंडारण और परिवहन पर कलेक्टर ने खनिज अधिकारी, पुलिस और तहसीलदार को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई रेत खदानों का आबंटन हो गया है, उसका पूरा वविवरण वहां रेत खदान क्षेत्र में सूचना पटल चस्पा करें। इसी प्रकार अपने निजी भूमि को छोड़कर, पुराने घर को बिना तोड़ें सरकारी भूमि में पीएम आवास बनाने के चलन पर रोकथाम के लिए कलेक्टर ने सभी सीईओ और सीएमओ को सख्त निर्देश दिए कि इसप्रकार से गांव शहर में गलियों के रास्ते छोटे हो रहे हैं। लोगों को आवागमन में असुविधा हो रही है। ऐसे हितग्राहियों को समझाएं और उन्हें उनके ही मूल, पुश्तैनी या स्वामित्व की ही भूमि में पीएम आवास बनवाएं।

भूमकाल विद्रोह 1910 के नायकों को दी गई श्रद्धांजलि

वीर शहीद गुण्डाधुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण

मूक पत्रिका/बीजापुर। बस्तर के महान भूमकाल विद्रोह 1910 के वीर नायकों की स्मृति में मूसालूर चौक धनोरा स्थित वीर शहीद गुण्डाधुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों, समाज प्रमुखों एवं ग्रामीण जनों ने वीर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनके संघर्ष और त्याग को नमन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9.30 बजे पारंपरिक देव और माटी पुजारियों द्वारा सेवा अर्जी के साथ हुई। इसके पश्चात समाज प्रमुखों द्वारा शहीदों की स्मृति में वीर शहीद गुण्डाधुर की प्रतिमा पर महुआ फूल अर्पित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भूमकाल विद्रोह के वीर शहीदों की ऐतिहासिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस दौरान सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने बस्तर के जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने तथा आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को कायम रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। समाज प्रमुखों ने कहा कि भूमकाल विद्रोह बस्तर के आदिवासी समाज के आत्मसम्मान और अधिकारों की रक्षा का प्रतीक रहा है, जिसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है।

कार्यक्रम में श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से वीर शहीदों के आदर्शों को याद कर समाज में एकजुटता और जागरूकता का संदेश दिया गया।

जिलेवासियों को मिल रहा स्वास्थ्य लाभ

जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में लगभग सभी डॉक्टरों की है पोस्टिंग

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़, 10 फ़रवरी 2026/ रजत जयंती वर्ष में जिले के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी उपलब्धि के रूप में अब जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में सभी प्रकार के डॉक्टर और विशेषज्ञ की सुविधा उपलब्ध हो गई है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य विभाग की पहल पर अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना हुई है। इस सुविधा से सारंगढ़ में सभी प्रकार का इलाज संभव होगा, जिससे हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। अब सारंगढ़ जिला चिकित्सालय में यह सुविधा मिलने से ग्रामीण अंचलों के परिवारों को भी त्वरित और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिलेगा।

जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे त ओपीडी और परामर्श दिया जाएगा। वहीं गंभीर बीमार मरीजों के लिए शाम 4 बजे से रात 6 बजे तक विशेष परामर्श की व्यवस्था भी की गई है। अस्पताल में सभी वार्ड तैयार हैं, जहां गंभीर बीमारियों के मरीजों का इलाज मेडिसिन विशेषज्ञ की निगरानी में होगा। गंभीर स्थिति में मेडिकल बोर्ड गठित कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

डॉक्टरों की सूची

जिला अस्पताल सारंगढ़ बिलाईगढ़ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला, डॉ. दीपक जायसवाल सिविल सर्जन, डॉ. भूषण खुंटे-आवासीय चिकित्सा अधिकारी, डॉ. बी.पी. साय-वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ. सुरेश खुंटे-मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. रमेश साहू-पैथोलॉजिस्ट (पी.जी.एम.ओ.), डॉ. राकेश साहू-सर्जरी विशेषज्ञ, डॉ. अनुप अग्रवाल-कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ, डॉ. रूपेश पटेल अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. भारती पटेल-शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. अमित पटेल-शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. सुनिल पटेल-मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. श्रिया अग्रवाल-मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. रानू मनहर-स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. स्वाती शर्मा-नेत्र रोग विशेषज्ञ और चिकित्सा अधिकारी में डॉ. नरेंद्र रात्रे- डॉ. दिव्या जोशी, डॉ. रामजी शर्मा, डॉ. लोकनाथ डहरिया, डॉ. रितेश सेन, डॉ. नकुल नौरंगे, डॉ. गरिमा बंजारे, डॉ. पुष्पाली मारकण्डे, डॉ. राहुल साय, डॉ. रितेश कुमार, डॉ. राहुल भारद्वाज, डॉ. हितेश पैकरा, डॉ. नितेश पटेल, डॉ. नीलिमा पटेल और डॉ. इन्दु सोनवानी-दंत चिकित्सक कार्यरत हैं।

जिले में हुआ स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार : कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे- कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कहा कि जिले की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना प्रशासन की प्राथमिकता है। एक वर्ष में जिला चिकित्सालय में लगभग सभी डॉक्टर और विशेषज्ञ की नियुक्ति हुई है। इस सुविधा से न केवल नगर बल्कि पूरे जिले के ग्रामीण अंचलों से आने वाले मरीजों को भी काफी राहत मिलेगी। अब उन्हें इलाज के लिए दूरस्थ स्थानों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य से जुड़ी तमाम जांच व उपचार भी उपलब्ध होंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।